CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-307
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 09 फरवरी 2024

आज का विचार

सबसे उत्तम तीर्थ अपना मन हैं
जो विशेष रूप से शुद्ध किया हो
- स्वामी शंकराचार्य

पेज-04

हल्द्वानी में अवैध मदरसा गिराने पर हिंसा, 6 की मौत

डीएम बोलीं- हमला प्लानिंग से हुआ, छतों पर पत्थर जमा थे, पेट्रोल बम भी फेंके

हल्द्वानी में गुरुवार को भड़की हिंसा में मरने वालों की संख्या 6 पहुंच गई है। यहां पुलिस सरकारी जमीन पर बने अवैध मदरसे और नमाज स्थल को हटाने पहुंची थी। पहले कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव किया। देखते ही देखते हालात बेकाबू हो गए। भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इसके बाद कर्फ्यू लगा दिया गया और देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किए गए। शुक्रवार को बाजार एवं सभी स्कूलों को बंद रखने के भी निर्देश जारी किए हैं। इस बीच, नैनीताल डीएम वंदना सिंह ने शुक्रवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रशासन का पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि हाई कोर्ट के आदेश पर पुलिस अवैध अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। इसी दौरान सुनियोजित तैयारी से हमला किया गया। यहां तक कि पुलिसकर्मियों को जिंदा जलाने की कोशिश भी की गई।

महिला पुलिसकर्मी बोली- हमें जलाने की कोशिश की

महिला पुलिसकर्मी के मुताबिक, हम बहुत बचकर आए। बचने के लिए हम 15-20 लोग एक घर में घुस गए। लोगों ने पथराव किया, बोतलें फेंकीं। आग लगाने की कोशिश की। चारों तरफ, गलियों, छतों से पथराव हो रहा था। उन्होंने गलियां घेर ली थीं। जिसने हमें बचाया, उन लोगों ने उसे भी गालियां दीं, घर तोड़ दिया। हम लोगों ने फोन किया, लोकेशन भेजी, तब फोर्स आई तो हमें बाहर निकाला।

मुख्यमंत्री धामी बोले- कोर्ट के आदेश पर अतिक्रमण हटाया गया

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा- अतिक्रमण कोर्ट के आदेश पर हटाया गया है। जिन लोगों ने हमला और आगजनी की है, उनकी पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ पुलिस, इंटेलिजेंस के अन्य सीनियर ऑफिसर के साथ हालात की समीक्षा की। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। फोर्सेस को अराजक तत्वों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए गए हैं।

डीएम ने बताया- लोगों ने छतों पर पत्थर जमा कर रखे थे

वंदना सिंह ने बताया कि स्कूल-कॉलेज बंद हैं। पैरामिलिट्री और PAC की कंपनियां तैनात कर दी गई हैं। हमले की जानकारी देते हुए डीएम ने बताया कि भीड़ ने गाड़ियां और ट्रांसफॉर्मर फूंक दिए। साफ है कि हमले की योजना पहले से थी। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से शुरू की गई। ऐहतियातन फोर्स फोर्स तैनात की गई थी। हमारी टीम ने किसी को उकसाने का काम नहीं किया।

फेसबुक लाइव में उद्धव गुट के नेता की हत्या, हमलावर ने भी सुसाइड किया

राउत का दावा-सीएम शिंदे 4 दिन पहले आरोपी से मिले थे

मुंबई के दहिसर इलाके में उद्धव गुट के शिवसेना नेता और पूर्व पार्षद अभिषेक घोषालकर की गुरुवार (8 फरवरी) रात में गोली मार कर हत्या कर दी गई। अभिषेक को फेसबुक लाइव पर चर्चा के दौरान गोली मारी गई। अभिषेक पर हमले के बाद आरोपी ने खुद को भी 4 गोलियां मारीं। इससे उसकी भी मौत हो गई। आरोपी की पहचान मॉरिस के रूप में की गई है। अभिषेक घोषालकर शिवसेना (उद्धव गुट) के पूर्व विधायक विनोद घोषालकर के बेटे थे। मॉरिस ने फेसबुक लाइव के बहाने अभिषेक को अपने ऑफिस बुलाया था। इस मामले में पुलिस ने मेहुल पारिख नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फायरिंग से पहले मॉरिस और मेहुल की मुलाकात हुई थी। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। वीडियो में दिखी अभिषेक पर की गई फायरिंग घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें देखा गया कि अभिषेक फेसबुक लाइव के बाद उठकर जा रहे थे। इसी दौरान मॉरिस ने उन पर 4-5 राउंड फायरिंग की। इसके बाद उसने सुसाइड कर लिया। अभिषेक को हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

हत्या की वजह का पता नहीं चल पाया

मुंबई पुलिस ने घटना को लेकर बताया कि मॉरिस को मुंबई पुलिस की ओर से कोई हथियार लाइसेंस जारी नहीं किया गया था। इसलिए मॉरिस ने जिस हथियार से फायरिंग की, उसके अवैध होने का शक है। शिवसेना नेता की हत्या और हमलावर की खुदकुशी को लेकर दो अलग-अलग FIR दर्ज किए गए हैं। मुंबई पुलिस ने घटना की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिषेक और मॉरिस के बीच कुछ मनमुटाव था। हालांकि, हाल ही में दोनों के बीच समझौता हो गया था। इसके कारण गुरुवार की रात मॉरिस के बुलाने पर घोषालकर उसके ऑफिस आए थे। लाइव के दौरान अभिषेक कहते भी हैं कि उन्हें मॉरिस के साथ देखकर लोग हैरान होंगे।

राउत का दावा- आरोपी को शिंदे गुट जॉइन करने का ऑफर मिला था

घटना को लेकर शिवसेना (उद्धव गुट) ने महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा है। उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने दावा किया कि ष्टरू शिंदे 4 दिन पहले अपने आवास वर्षा पर हमलावर मॉरिस से मिले थे। मॉरिस को शिंदे गुट जॉइन करने का ऑफर मिला था। राउत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कहा- महाराष्ट्र में गुंडा राज है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस पूरी तरह विफल हैं। उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। वहीं, उद्धव गुट के नेता और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा कि उन्होंने शाम में अभिषेक से मुलाकात की थी।

नोट का पेपर बनाने वाली मिल की मशीन में फंसकर टेक्नीशियन की मौत

नर्मदापुर। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम में स्थित नोट का पेपर बनाने की मिल में गुरुवार को जूनियर टेक्नीशियन की मशीन में फंसने से मौत हो गई। इस घटना के बाद मिल के कर्मचारी आक्रोशित हो गए और मृतक के परिजनों के साथ धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने पर तहसीलदार और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और हंगामा कर रहे कर्मचारियों को समझाया। इसके पहले कर्मचारियों ने लगभग डेढ़ घंटे तक एंबुलेंस को रोके रखा। कर्मचारी इस मांग पर अड़े थे कि घटना किसकी गलती से हुई, बताया जाए। काफी समझाइश के बाद मामला शांत हुआ। जानकारी के अनुसार, मिल में जूनियर टेक्नीशियन प्रयास गौर कार्य के दौरान पेपर मशीन की कपलिंग में फंस गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मौके पर मौजूद कर्मचारियों के अनुसार, मशीन में वैक्यूम लीकेज होने पर गीला पेपर लगाया जाता है। अधिकारियों के दबाव में चलती मशीन में यह काम करना पड़ता है। गुरुवार को एक कर्मचारी वैक्यूम लीकेज में गीला पेपर लगा रहा था। दूसरे तरफ के लीकेज को उस कर्मचारी

ने जूनियर टेक्नीशियन प्रयास गौर को बताया। दूसरा लीकेज बंद करने वह कर्मचारी चला गया। प्रयास काम के दौरान मशीन की चपेट में आ गए। अन्य कर्मचारी दौड़े और इमरजेंसी बटन दबाया, लेकिन तब तक घटना हो चुकी थी।घटना के बाद कर्मचारी और यूनियन से जुड़े लोग मिल के गेट पर जमा हो गए। परिवार के लोग भी आ गए। शव लेकर जा रही एम्बुलेंस के सामने यूनियन कर्मचारी बैठ गए। उनकी मांग थी कि घटना किसकी गलती से हुई, इसकी जानकारी दी जाए। कर्मचारियों ने आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारी जबरदस्ती गैरकानूनी काम कराते हैं। सीआर खराब करने की धमकी देते हैं। जानकारी मिलने पर एसडीओपी पराग सैनी, तहसीलदार देवराम उईके, कोतवाली थाना प्रभारी सौरभ पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और नाराज परिजनों को समझाइश देकर मामले को शांत कराया।

जूनियर टेक्नीशियन की मशीन में फंसकर मौत के मामले में एसपीएम प्रबंधन ने जांच समिति बना दी है। प्रबंधन ने पेपर मिल में सुरक्षा नियमों की अनदेखी के आरोपों को साफ तौर पर नकारते हुए कहा कि इसमें भारत सरकार से मिले सारे निर्देश और नियमों का पूरी तरह से पालन होता है। बावजूद इसके जांच समिति जल्द जांच करेगी और ऐसा प्रतीत हुआ कि किसी की लापरवाही है तो दोषी पर कार्रवाई की जाएगी।

पीएम मोदी आदिवासी वोटरों को साधने 11 को झाबुआ से करेंगे चुनावी आगाज

झाबुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 फरवरी को मध्यप्रदेश के झाबुआ से लोकसभा चुनाव का आगाज करेंगे। पीएम मोदी के इस दौरे में परिवर्तन होने की बात सामने आ रही थी, लेकिन प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने इसे भ्रामक और तथ्यहीन बताया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी तय कार्यक्रम के अनुसार 11 फरवरी को झाबुआ आएंगे। जानकारी के अनुसार पीएम नरेंद्र मोदी झाबुआ से लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। वे यहां पर एक रैली को संबोधित कर मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्र से आगामी चुनाव का प्रचार अभियान शुरू करेंगे। पीएम मोदी की रैली को सफल बनाने के लिए भाजपा नेता और कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हुए हैं। पार्टी आदिवासी समुदायों के प्रमुख व्यक्तियों और संतों को आमंत्रित कर रही है। झाबुआ आने पर तीर-धनुष और ढोल जैसे पारंपरिक आदिवासी प्रतीकों से पीएम नरेंद्र मोदी का स्वागत किया जाएगा। इससे पहले पांच फरवरी को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बीडी शर्मा ने रैली स्थल का निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें समुदाय के जाने-माने लोगों के साथ-साथ प्रमुख संतों को आमंत्रित करके इस रैली में आदिवासी लोगों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करनी है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को कॉल सेंटर और सोशल मीडिया के जरिए रैली के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए भी कहा था।

एमपी विधानसभा के बजट सत्र का तीसरा दिन- सदन में अवैध खनन पर हंगामा

तीसरे दिन विधानसभा की कार्यवाही शुरू, अवैध खनन पर हंगामा

मंत्री बोले- अवैध खनन को रोकने के लिए कैमरे लगाएंगे

आज मप्र विधानसभा के बजट सत्र का आज तीसरा दिन है। बजट सत्र के तीसरे दिन विधानसभा की कार्यवाही शुरू हो गई है। इस दौरान सदन में अवैध खनन पर हंगामा हुआ है। मंत्री ने कहा कि, अवैध खनन को रोकने के लिए कैमरे लगाएंगे। वही गुरुवार को पेश किए गए 30,265 करोड़ के अनुपूरक बजट पर लंच के बाद चर्चा होगी। चर्चा के लिए विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने दो घंटे का समय तय किया है। इसमें पक्ष- विपक्ष के विधायक अपने वक्तव्य देंगे।

हरदा अग्निकांड पर फिर कमलनाथ ने मोहन सरकार पर निशाना साधा

घरों में गुपचुप तरीके से चल रहा पटाखें निर्माण का काम

प्रशासन का कोई अंकुश नहीं: कमलनाथ

हरदा की अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद जागी सरकार की कार्रवाई में कई शहरों में पटाखों के अवैध कारोबार मिले हैं। जाँच में पाया गया है कि शहरों में अमानक पटाखा फैक्ट्री और गोदाम की वजह से रूक्क की बड़ी आबादी खतरें में है। घनी बस्तियों में कारोबारियों ने पटाखों के कई अवैध गोदाम बना रखें हैं। कुछ जगहों पर घरों में गुपचुप तरीके से पटाखें निर्माण का काम भी चल रहा है। इसके लिए घरों में बारूद का अवैध भंडारण भी हो रहा है ये बात आज मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बयान देते हुए कही है।

कमलनाथ ने मोहन सरकार पर निशाना साधा- *बता दें कि हरदा अग्निकांड के बाद प्रदेश के कई शहरों में प्रशासन की टीम पुलिस के साथ मिलकर भारी मात्रा में अवैध पटाखे जब्त किए गए हैं। जिसके बाद फिर कमलनाथ ने मोहन सरकार पर निशाना साधा है।*

कमलनाथ ने ट्वीट कर लिखा- *हरदा की अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद जागी सरकार की कार्रवाई में इंदौर, भोपाल और जबलपुर समेत कई शहरों में पटाखों के अवैध कारोबार मिले हैं। पेटलावद और हरदा जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति इसीलिए हो रही है क्योंकि अवैध पटाखो के गोदामों और दुकानों के संचालन पर प्रशासन का कोई अंकुश नहीं है। बड़ी संख्या में पटाखा फैक्ट्रियों का संचालन भी सुरक्षा नियमों को दरकिनार करके हो रहा है।*

कमलनाथ बोले- *मैं सरकार से आग्रह करता हूँ कि केवल हादसों के बाद कार्रवाई की खानापूर्ति की बजाय सामान्य दिनों में भी पटाखा फ़ैक्ट्री एवं बारूद भंडारण की नियमित जाँच कराकर सुरक्षा मानकों का पालन सुरक्षित करायें और सघन आबादी क्षेत्रों से इस तरह के व्यापार को सुरक्षित क्षेत्रों में विस्थापित करने की दिशा में कार्य करें।*

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी
अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

इंदौर के नौलखा और तीन इमली बस स्टैंड से चलने वाली बसें नायता मुंडला से होंगी संचालित

शहर में यातायात सुगमता के लिए इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) द्वारा नायता मुंडला में बस स्टैंड का निर्माण पूरा कर लिया गया है। इसे 16 फरवरी से शुरू किया जाएगा। अब नौलखा और तीन इमली बस स्टैंड से चलने वाली बसें यहां से चलेंगी। गुरुवार को कलेक्टर आशीष सिंह ने बस स्टैंड का दौरा किया। इसके शुरू होने के बाद नौलखा और तीन इमली से चलने वाली करीब 800 बसों का शहर में प्रवेश बंद हो जाएगा। बसें पालदा से आरई-2 से होते हुए नायता मुंडला पहुंचेंगी। नायता मुंडला बस स्टैंड परिसर का 12 फरवरी को बस आपरेटर और प्रशासन की टीम निरीक्षण करेगी। यहां बस आपरेटरों के साथ प्रशासन और परिवहन विभाग के अधिकारियों की बैठक होगी। इसमें बस संचालन पर चर्चा की जाएगी। करेंगे लोक परिवहन के साधनों की व्यवस्था नायता मुंडला स्थित बस स्टैंड तक लोगों की आसान पहुंच के लिए लोक परिवहन के साधनों की सुविधा जुटाई जाएगी। वर्तमान में यहां गिनी-चुनी सिटी बसें ही चलती हैं। ई-रिक्शा के साथ सिटी बसों की संख्या बढ़ाकर आवागमन आसान बनाया जाएगा। यहां से शहर के सभी क्षेत्रों तक लोक परिवहन के साधनों की सुविधा जुटाने की योजना है।

उत्तरी हवाओं ने गिराया पारा, ठिठुरन का असर बरकरार रहेगा

हिमालय की ओर सेआ रही उत्तर पूर्वी हवाओं ने गुरुवार को ठिठुरन का अहसास करवाया। दिन में हवाओं की अधिकतम गति 20 किलोमीटर प्रतिघंटा रही। हवाओं के असर से दिन का तापमान सामान्य से छह डिग्री कम 22.8 डिग्री दर्ज किया गया। बुधवार के मुकाबले गुरुवार को दिन के तापमान में चार डिग्री कमी देखने को मिली। वहीं न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 12.1 डिग्री दर्ज किया गया। दिन में हल्के बादल छाए और धूप भी खिली।मौसम विज्ञानियों के मुताबिक शुक्रवार को शहर में अधिक ऊंचाई के बादल रहे और तेज हवाओं के कारण ठिठुरन का असर बरकरार रहेगा। सुबह के समय हल्की धुंध छाने की संभावना है। गौरतलब है कि पिछले पांच दिन में दिन के तापमान के आठ डिग्री गिरावट हुई है। शुक्रवार को भी दिन के तापमान में एक से दो डिग्री कमी आने की संभावना हे।

11 फरवरी को इंदौर आएंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, एयरपोर्ट का तीन किमी क्षेत्र नो फ्लाइंग जोन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 फरवरी को इंदौर विमानतल पर आकर झाबुआ जाएंगे। इससे देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की तीन किमी परिधि को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है।

पुलिस आयुक्त इंदौर नगरीय ने इंदौर एयरपोर्ट के तीन किमी क्षेत्र में धारा 144 लागू की है। इस दौरान ड्रोन, पैराग्लाइडर, हाट बैलून, अन्य फ्लाइंग आब्जेक्ट के उड़ने पर प्रतिबंध रहेगा। यह आदेश 10 फरवरी से 12 फरवरी 2024 तक प्रभावशील रहेगा। इस आदेश के उल्लंघन पाए जाने पर दोषी व्यक्ति के विरूद्ध नियमानुसार भा.द.वि. की धारा 188, अन्य सुसंगत धाराओं एवं अधिनियम के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। कमर्शियल फ्लाइट्स इस प्रतिबंधात्मक आदेश के पालन से मुक्त रहेगी।

उज्जैन जिले में युवक के नाजुक अंगों को जलाकर किया था हत्?या का प्रयास, आरोपित गिरफ्तार

युवक के अंगों को जलाकर हत्या का प्रयास करने वाले पांच आरोपितों में से चार को भाटपचलाना पुलिस ने चंद घंटों में गिरफ्तार कर लिया। एक की तलाश की जा रही है। वारदात में प्रयुक्त लोहे की पत्ती व मोबाइल जब्त कर लिया गया है। जानकारी अनुसार ग्राम नई आबादी रूपेटा निवासी सौरभ पुत्र आत्माराम परमार व सबीना की पर सबीना के पति मोईन खां निवासी रूपेटा, सबीना की मां, बहन, भाई निवासी ग्राम सुरेल ने गुरुवार को सौरभ को अपने खेत की झोपड़ी पर बुलाया। अपशब्द करते हुए लोहे की गरम पत्ती से सौरभ के संवेदनशील अंगों को जलाया। शरीर के अन्य अंगों को भी गरम लोहे की पत्ती से दागा गया।मामले में पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण नितेश भार्गव व पुलिस बल ने फरियादी सौरभ के घर गांव नई आबादी रूपेटा पहुंचकर फरियादी व ग्रामीणों से चर्चा की व सौरभ को उचित इलाज हेतु चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया। थाना प्रभारी भाटपचलाना निरीक्षक नरेन्द्र यादव ने टीम के साथ दबिश देकर आरोपित समीना उर्फ सबीना पत्नी मोईन मंत्री उम्र 20 वर्ष, शबाना पत्नी सुल्तान मंसूरी उम्र 21 वर्ष, शकीला बी पत्नी सुल्तान मंत्री उम्र 45 वर्ष, अरबाज पुत्र सुल्तान मंत्री उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम सुरेल को गिरफ्तार किया है। आरोपितों से अपराध में प्रयुक्त सामग्री लोहे की पत्ती और मोबाइल जब्त किए गए हैं। आरोपित मोईन खां निवासी रूपेटा फरार है। गिरफ्तार आरोपितों को विशेष न्यायालय अनुसूचित जाति/जनजाति न्यायालय उज्जैन में पेश किया जाएगा।

इंदौर में ज्ञानराधा सोसायटी के खिलाफ पीड़ितों ने खोला मोर्चा, नहीं पहुंचे जिम्मेदार

सिटी चीफ इंदौर

ज्ञानराधा कोआपरेटिव सोसायटी के पीड़ितों ने अपने रुपये वापस हासिल करने के लिए मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार सुबह कंपनी के दफ्तर पर तमाम ठगाए लोग पहुंचे। हालांकि दफ्तर के ताले नहीं खुले और ना ही कोई जिम्मेदार वहां पहुंचा। ठगााए लोगों में कई ऐसे थे जिनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है। इन्होंने अपनी जिंदगीभर की जमा पूंजी संस्था को सौंप दी थी। खजूरी बाजार में ज्ञानराधा मल्टी स्टेट कोआपरेटिव सोसायटी के दफ्तर पर करीब 40 लोग जमा हुए। ये वे लोग थे जिन्होंने सोसायटी में अच्छा ब्याज मिलने की आस में लाखों रुपये जमा किए थे। इस दौरान लोग इंतजार करते रहे लेकिन सोसायटी का दफ्तर नहीं खुला। लोगों ने एकजुट होकर कानूनी कार्रवाई को लेकर चर्चा की। इस दौरान कुछ लोग अपनी पीड़ा बताते हुए रो पड़े। घर-घर जाकर काम करनी वाली सुशीला सुरागे ने कहा कि मैंने जीवनभर की बचत के तीन लाख रुपये संस्था की एफडी में जमा किए थे। महीनेभर से चक्कर काट रही हूं। पहले आज-कल का बोल यहां के लोग टालते रहे। अब दफ्तर ही बंद हो गया है। इस बीच संस्था के दफ्तर के बाहर जमा कई लोगों ने स्थानीय कर्मचारियों के साथ

इस संस्था के बीड़ महाराष्ट्र में रहने वाले संचालकों का पता ढूंढने की कोशिश भी की। शहर में मौजूद अन्य पीड़ितों को एकत्र करके कानूनी कार्रवाई को लेकर भी बात हुई। मैनेजर बोला क्राइसेस चल रहा है पीड़ितों के संस्था के बाहर विरोध के बाद भी मामले में अभी प्रशासन की ओर से किसी तरह की जांच शुरू नहीं हुई है। पीड़ितों ने बताया कि संस्था पर प्रकरण दर्ज करवाने के लिए वे कोशिश कर रहे हैं। इस बीच शाम को पीड़ितों तक संस्था में पैसा जमा करवाने वाले एक गारमेंट कारोबारी की ओर से खबर पहुंची कि उसे संस्था के महाराष्ट्र में रहने वाले संचालकों का फोन आया था। वे रुपया लौटाने के लिए समय मांग रहे हैं। इस बीच नईदुनिया ने ज्ञानराधा के इंदौर ब्रांच मैनेजर केशव टेकवाले से बात की। मैनेजर ने कहा कि क्राइसेस चल रहा है इसलिए अभी पैसे नहीं लौटा पा रहे। हमें महाराष्ट्र से संचालकों ने कहा है कि फरवरी के अंत तक इंतजार करें। लोग रुपया वापस मांग रहे हैं और क्राइसेस है इसलिए हम ब्रांच नहीं खोल रहे।

इंदौर में हुई पौधारोपण में गड़बड़ी की जांच अब करेंगे सीसीएफ

इंदौर वृत्त के मुख्य वन संरक्षण (सीसीएफ) द्वारा गोद लिए गए पौधारोपण में भारी गड़बड़ी और अनियमितताएं सामने आई है। शिकायत के बाद दिसंबर में डीएफओ महेंद्र सिंह सोलंकी ने दौरा किया। जहां पौधों से ज्यादा घास बढ़ गई है। यहां तक पौधों की कटाई-छटाई भी बराबर नहीं हुई है। यहां तक कि पौधारोपण के लिए आई राशि का भरपूर इस्तेमाल कर लिया है। डीएफओ की रिपोर्ट के बाद वन विभाग मुख्यालय में पीसीसीएफ (मुख्य कार्यपालन अधिकारी-कैम्पा) महेंद्र सिंह धाकड़ ने जांच आगे बढ़ाई है। इसकी जिम्मेदारी सीसीएफ उज्जैन को सौंपी है। मामले में जांच कर सात दिन में पूरी करना है। उसके आधार पर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी। दौरा नहीं होता तो दबता मामला कैम्पा योजना के अंतर्गत कम्पेल में 79 हैक्टेयर वनक्षेत्र कक्ष क्रमांक 227 में 2022-23 के दौरान पौधे लगाए। यह पौधारोपण स्थल तत्कालीन सीसीएफ एचएस मोहंता ने गोद लिया। दस्तावेजों में यहां दूसरे साल 8 लाख 30 हजार 591 और निदाई-गुडाई पर 78750 रुपये खर्च किया। लगभग 79 हजार पौधे रोपे गए थे, लेकिन कुछ पौधे नष्ट हो चुके है। नवंबर तक इस बारे में किसको कोई जानकारी नहीं थी। 29 नवंबर को सीसीएफ नरेंद्र सनोडिया ने दौरा किया। जहां घास की इतनी लंबाई हो चुकी थी कि वहां पौधे नजर नहीं आ रहे थे। मौके पर भी सीसीएफ सनोडिया और डीएफओ सोलंकी ने जिम्मेदारों को फटकार लगाई। पौधों के लिए करवाए गए गड्ढे भी काफी छोटे मिले। इसके चलते तीन से चार फीट ही पौधे डेढ़ साल में पनप पाए है। खाद की मात्रा भी कम मिली है। डीएफओ महेंद्र सिंह सोलंकी ने रेंज को पत्र लिखा। बाद में रेंजर ने वनकर्मी को घास कटवाने में लगा दिया। डीएफओ ने तीन दिन का समय दिया है। साथ ही रेंजर को मौके का निरीक्षण करने के निर्देश दिए है और जिन वनकर्मियों के पास पौधे लगाने की जिम्मेदारी थी। उनके खिलाफ कार्रवाई करने को बोला है। बताई लापरवाही रिपोर्ट में डीएफओ ने पौधे लगाने में लापरवाही व अनियमितता मानी है। इसके आधार पर विभाग के पूर्व अधीक्षक शंकर नाइक ने सीएम मोहन यादव व वनमंत्री नागर सिंह चौहान ने शिकायत की।

10.8 लाख का पैकेज छोड़ पर्यावरण संरक्षण के लिए पैदल निकले आशुतोष

सिटी चीफ इंदौर

कहने को तो उनकी उम्र महज 25 वर्ष है, परंतु हौसला और हिम्मत पहाड़ जैसी। ये हैं आशुतोष पांडे, जो 22 दिसबंर 2022 को पर्यावरण संरक्षण के लिए पैदल ही भारत यात्रा पर निकल पड़े। उत्तर प्रदेश से चलकर ये बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र समेत 13 राज्यों से होते हुए इंदौर पहुंचे हैं। इन दिनों इनका ठिकाना इंदौर है। अब तक आशुतोष 21 राज्य, 75 जिले, 1700 गांवों से लोगों को जागरूक करते हुए जा रहे हैं। पर्यावरण और प्रकृति के प्रति इनका जुनून ऐसा है कि ये 90 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन वाली नौकरी छोड़कर भारत दर्शन यात्रा पर निकले हैं। आशुतोष के मन में प्रकृति संरक्षण का संदेश देने का यह विचार कहां से आया? यह पूछने पर वे नईदुनिया से बातचीत में कहते हैं- कोरोना काल में आक्सीजन की पूर्ति न होने से मेरे एक प्रिय मित्र की मृत्यु हो गई थी। उस क्षण लगा कि यदि आक्सीजन नहीं, प्रकृति नहीं, पर्यावरण नहीं है तो फिर हम सबका जीवन क्षणभंगुर है। यही विचार मन को मथता रहा और एक दिन ऐसा भी आया जब 10.80 लाख रुपये सालाना की नौकरी छोड़कर पर्यावरण बचाने के लिए लोगों को जागरूक करने का प्रण लिया और पैदल भारत यात्रा शुरू कर दी। आशुतोष सेव द इन्वायरमेंट लिखा बोर्ड लेकर अपने बैग में तिरंगा लगाए लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक कर रहे हैं। बोर्ड में पैदल 16,000 किमी चलने का लक्ष्य भी लिखा है। आशुतोष प्रतिदिन करीब 30 किमी चलते हैं। मप्र के बाद वे राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश होते हुए अयोध्या पहुंचेंगे। परिवार ने पहले की चिंता, फिर साथ दिया आशुतोष ने बताया कि जब नौकरी छोड़कर पैदल भारत यात्रा की ठानी, तो परिवार के लोग सन्न रह गए। पहले सबने विरोध किया और चिंता जताई। कुछ रिश्तेदार तो मुझे मानसिक रूप से विचलित बताकर डाक्टर को दिखाने तक की बातें करने लगे थे। किंतु मैं अपने संकल्प से डिगा नहीं। परिवार ने जब मेरा जुनून देखा तो मेरा यह संकल्प पूरा करने में साथ दिया। अभी नहीं तो कभी नहीं आशुतोष ने बताया कि आए दिन आए शोध बताते हैं कि

प्रदूषण की वजह से दिल्ली में रहने वालों की उम्र कम होती जा रही है। फिर भी हम नहीं सुधर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं हो रहे हैं। इसके लिए हम सब भारतवासियों, खासकर युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। अगर कुछ वर्षों तक हमने और लापरवाही की, तो जलवायु परिवर्तन से मनुष्यों का ही नहीं बल्कि प्रत्येक प्राणी का बहुत नुकसान होगा। यह अभी नहीं जागे तो फिर कभी नहीं वाली स्थिति है। वर्ष 2026 में पहुंचेंगे अयोध्या आशुतोष ने पैदल भारत यात्रा का अंतिम पड़ाव श्रीराम की नगरी अयोध्या को रखा है। वे अगले वर्ष अर्थात जनवरी 2026 में अयोध्या पहुंचने का लक्ष्य बनाकर चल रहे हैं। तब अयोध्या में एक लाख पौधों का रोपण किया जाएगा, जिसे श्रीराम वाटिका नाम दिया जाएगा। आशुतोष बाद में अपनी टीम के साथ उस वाटिका का संरक्षण भी करेंगे। बच्चे खेती नहीं जानते, इसकी चिंता आशुतोष ने बताया कि वह जब स्कूली बच्चों से पूछते हैं कि किसे-किसे खेती के बारे में जानकारी है, तो कोई भी बच्चा हां में हाथ नहीं उठाता। यह बहुत चिंता की बात है। भविष्य में यदि कोई भी खेती नहीं करेगा, तो हम मनुष्य खाएंगे क्या? राज्य सरकारों को हर जिले में एक निश्चित भूमि आरक्षित करनी चाहिए, जहां बच्चों को खेती-बाड़ी का प्रायोगिक ज्ञान दिया जाए। अगर ऐसा नहीं किया गया, तो वर्ष 2040 की पीढ़ियां फार्मिंग से अनजान हो जाएंगी और हम अन्न से वंचित हो जाएंगे। खेती-बाड़ी से न केवल मन और शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि मिट्टी से भावनात्मक जुड़ाव भी बनता है। शिकायत कर गणगौर घाट की कराई सफाई आशुतोष इंदौर पहुंचते ही सबसे पहले राजवाड़ा गए। वहां से कृष्णपुरा छत्री के पास पहुंचे।

इंदौर की सघन बस्तियों के पास बने पटाखा गोदाम होंगे स्थानांतरित

सिटी चीफ इंदौर

हरदा की पटाखा फैक्ट्री में हुए हादसे के बाद इंदौर जिला प्रशासन पटाखा फैक्ट्रियों और गोदामों की जांच करा रहा है। अब तक दो दर्जन फैक्ट्रियों और गोदामों पर कार्रवाई की जा चुकी है। जांच में कई गोदाम सघन बस्तियों के बीच पाए गए, जहां क्षमता से अधिक पटाखे जमा कर रखे थे। इस तरह के गोदामों को अब स्थानांतरित कराया जाएगा। प्रशासन इन गोदामों की सूची तैयार कर रहा है। फैक्ट्रियों के लाइसेंस निरस्त कराने के लिए उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक भोपाल को पत्र भेजा जाएगा। 15 किग्रा से अधिक विस्फोटक रखने वाले कारोबारियों को पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो) द्वारा लाइसेंस जारी किए जाते हैं। इंदौर जिले में भी कई गोदाम और फैक्ट्री संचालकों ने पेसो से लाइसेंस ले

रखे हैं। पटाखा और बारूद का कारोबार करने वालों को फैक्ट्री संचालित करने के लिए कलेक्टर से एनओसी लेनी होती है। इस एनओसी के आधार पेसो द्वारा कारोबारियों को लाइसेंस जारी किया जाता है। कलेक्टर द्वारा लापरवाही की शिकायत किए जाने पर पेसो द्वारा कारोबारियों का लाइसेंस भी निरस्त किया जाता है। क्षमता से अधिक पटाखे होंगे जब्त जिला प्रशासन की कार्रवाई में कई गोदामों में पटाखों का जखीरा मिल रहा है। तय मात्रा से अधिक पटाखे पाए जाने पर प्रशासन इन्हें जब्त कर अन्य सुरक्षित स्थान पर भेजेगा। महू और राऊ क्षेत्र के गोदामों में बुधवार को कार्रवाई के दौरान क्षमता से अधिक मात्रा में पटाखे मिले थे। सभी को सील कर दिया गया है।

इंदौर में 80 हजार से ज्यादा श्वानों की नसबंदी होना है, प्रतिदिन हो रही सिर्फ 20

सिटी चीफ इंदौर

नगर निगम भले ही आठ वर्षों से श्वानों की संख्या नियंत्रित करने के लिए अभियान चलाने का दावा कर रहा हो, लेकिन वास्तविकता यह है कि इसका असर दिख नहीं आ रहा है। श्वानों के काटने के मामलों की संख्या में किसी तरह की कमी आने के बजाय यह लगातार बढ़ रही है। शहर में आपका सामना कहीं आवारा श्वानों से हो जाए तो आप निगम के भरोसे मत रहिए। बचाव आपको खुद ही करना होगा। अगर आप यह भ्रम पाले बैठे हैं कि निगम कंट्रोल रूम पर फोन लगाकर सूचना देने के बाद निगम का कोई दल आपकी मदद के लिए आएगा तो आप गलत हैं। नगर निगम के पास श्वानों को पकड़कर शहर से बाहर करने की कोई योजना ही नहीं है। मजबूरी में लोग खुद ही श्वानों को पकड़कर शहर से बाहर करने के प्रयास कर रहे हैं। निगम कंट्रोल रूम पर फोन कर कोई श्वान की शिकायत करता भी है तो कोई नहीं आता है। शहर का शायद ही कोई क्षेत्र होगा जहां श्वानों के आतंक से लोग भयभीत न हो। श्वानों के आतंक का अंदाजा इस बात से भी लगा सकते हैं कि रोज 200 से ज्यादा लोग श्वानों के हमले में घायल हो रहे हैं। रात में बाहर नहीं निकलते रहवासी यह आंकड़ा तो सिर्फ शहर के एक सरकारी अस्पताल का है। सरकार की बात मानें तो शहर के लगभग सभी सरकारी अस्पतालों में एंटी रैबीज टीके लगाए जाते हैं।

बगैर अनुबंध ही करोड़ों के फ्लैट बेच रही थीं एजेंसियां, प्रधानमंत्री आवास योजना में निगम की गंभीर लापरवाही

सिटी चीफ इंदौर

शहर में प्रधानमंत्री आवास योजना में हुई गड़बड़ियों की परतें खुलने लगी हैं। यह बात भी सामने आई है कि जिन एजेंसियों के पास योजना के तहत तैयार हजारों फ्लैटों को बेचने की जिम्मेदारी थी, नगर निगम ने उनके साथ अनुबंध करना तक जरूरी नहीं समझा। निगम ने एजेंसियों से 18 फरवरी 2019 को तीन वर्ष के लिए अनुबंध किया था। इसके समाप्त होने के बाद एजेंसियां बगैर अनुबंध छह माह काम करती रहीं। बाद में 18 अगस्त 2022 को अनुबंध किया गया, जो 18 फरवरी 2023 को समाप्त हो चुका है। इसके बाद कोई नया अनुबंध नहीं किया गया। यानी एजेंसियां एक वर्ष से बगैर किसी अधिकार के प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तैयार आवासीय इकाइयों को बेच रही थीं। दो माह पहले ही एजेंसियों की गड़बड़ी सामने आ चुकी थी। नगर निगम ने पांच जनवरी 2024 को एजेंसियों को नोटिस भी जारी किया था। इस नोटिस के जवाब में एजेंसियों ने यह स्पष्ट कर दिया था कि वर्तमान में निगम का हमारे साथ कोई अनुबंध ही अस्तित्व में नहीं है। बावजूद इसके निगम के अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की और आंख मूंदें गड़बड़ी होने दी। इधर महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगमयुक्त हर्षिका सिंह गुरुवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के दफ्तर पहुंचे और करीब डेढ़ घंटे तक

दस्तावेजों की जांच और कर्मचारियों से पूछताछ की। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत इंदौर में तैयार आवासीय प्रकोष्ठ के विक्रय के लिए नगर निगम ने मेसर्स अप टू इ मार्क एडवरटाइजिंग प्रालि और मेसर्स मिरेकल इवेंट्स के साथ वर्ष 2019 में अनुबंध किया था। हाल ही में एजेंसियों द्वारा उक्त योजना के तहत तैयार आवासीय प्रकोष्ठों के आवंटन में गड़बड़ी सामने आई है। कुछ हितग्राहियों ने जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर को शिकायत की थी कि एजेंसियों द्वारा वास्तविक हितग्राहियों के बजाय अन्य को महंगे दाम पर प्रकोष्ठ विक्रय किए जा रहे हैं। पड़ताल में इसकी पुष्टि भी हुई। यह बात भी सामने आई है कि यह गड़बड़ी वर्षों से चल रही थी। एजेंसियों के कर्मचारी हितग्राहियों के बजाय अन्य को प्रकोष्ठ आवंटित कर रहे थे। प्रधानमंत्री आवास योजना के दफ्तर पहुंचे महापौर-निगमायुक्त, तीन सदस्यीय समिति को सौंपी जांच गड़बड़ियों की जांच करने के लिए महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगमायुक्त हर्षिका सिंह गुरुवार सुबह पालिका प्लाजा स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के दफ्तर पहुंचे। उन्होंने रिकार्ड खंगाले और कर्मचारियों से पूछताछ भी की। महापौर ने कहा कि आरंभिक रूप से यह बात सामने आई है कि कर्मचारियों द्वारा गड़बड़ी तो की जा रही थी। तय कीमत से अधिक में फ्लैट आवंटित किए जा रहे थे। पड़ताल के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई गई है। समिति तय समय सीमा में मामले की जांच कर रिपोर्ट सौंपेगी। समिति में अपर आयुक्त सिद्धार्थ जैन, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा को शामिल किया गया है। हाल ही में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहर में बनाए जा रहे आवास परिसरों में हितग्राहियों को फ्लैट आवंटित करने के बजाय अधिक रकम लेकर फ्लैट किसी अन्य को आवंटित करने के मामले सामने आए हैं। यह बात भी सामने आई कि नगर निगम ने जिन दो एजेंसियों को इन योजनाओं के मार्केटिंग की जिम्मेदारी सौंपी है उनके ही कर्मचारी इस गड़बड़ी को अंजाम दे रहे थे। गुरुवार को महापौर ने एजेंसियों के कर्मचारियों से इस संबंध में पूछताछ भी की। इतनी बड़ी संख्या में क्यों और कैसे ले लिए फ्लैट, जांच करेंगे जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने हाल ही में महापौर और निगमायुक्त को पत्र लिखकर शिकायत की थी कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने 13 फ्लैट कंसल्टेंट और 8 फ्लैट ठेकेदार ने खुद ही आवंटित करवा लिए हैं। महापौर भार्गव ने कहा कि योजना के तहत तैयार श्री बीएचके फ्लैट पहले आओ, पहले पायो के सिद्धांत पर आवंटित किए गए थे, लेकिन यह जांच का विषय है कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में फ्लैट क्यों और कैसे आवंटित करवा लिए गए। मामले की जांच में इस बिंदु को भी शामिल किया जाएगा।

सर्द हवाओं ने फिर बढ़ाई ठिठुरन

लगातार चौथे दिन लुढ़का रात का पारा, दिन के तापमान में भी गिरावट

उत्तर भारत के पहाड़ों पर पिछले दिनों काफी बर्फबारी हुई थी। इस वजह से वहां के तापमान काफी कम बना हुए हैं। उधर, पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत से आगे बढ़ने के कारण हवाओं का रुख भी पुनः उत्तरी होने लगा है। उत्तर भारत की तरफ से आ रही सर्द हवाओं के कारण राजधानी भोपाल सहित पूरे प्रदेश में तापमान में गिरावट होने लगी है। भोपाल में पिछले चार दिन से लगातार रात का पारा लुढ़क रहा है। शुक्रवार को पारा दस डिग्री सेल्सियस से भी नीचे पहुंच गया और न्यूनतम तापमान 09 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम है। साथ ही यह पिछले दिन के न्यूनतम तामपान (11.6 डिग्री) से भी 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। वहीं दिन का तापमान भी गुरुवार को 23.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले दिन के अधिकतम तापमान (26.8) मुकाबले 3.1 डिग्री सेल्सियस कम रहा। साथ ही यह सामान्य से 04 डिग्री सेल्सियस कम रहा। गुरुवार को भोपाल में न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस कम था। गौरतलब है कि 05 फरवरी को भोपाल में न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। यानी चार दिन में पारा सात डिग्री सेल्सियस से ज्यादा लुढ़क गया है। मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत से आगे बढ़ चुका है। वर्तमान में पूर्वी विदर्भ पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इस चक्रवात से लेकर कर्नाटक तक एक द्रोणिका भी बनी हुई है। हवा का रुख उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी बना हुआ है। हवाओं के साथ कुछ नमी आने की वजह से ऊंचाई के स्तर पर कुछ बादल भी छा रहे हैं। आगे ऐसा रहेगा मौसम मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि फिलहाल एक-दो दिन मौसम ऐसा ही बना रहेगा। 11 फरवरी से 11 फरवरी से विपरीत दिशाओं की हवाओं (उत्तरी-दक्षिणी) का संयोजन होने के कारण बादल छाने लगेंगे। साथ ही प्रदेश में कहीं-कहीं वर्षा होने का सिलसिला भी शुरू हो सकता है।

जेल में बंद चार सिमी आतंकियों की तबीयत बिगड़ी

दो को जेपी अस्पताल में कराया भर्ती

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी के करोंद इलाके में स्थित केंद्रीय कारागार में बंद प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के चार आतंकी बीते कुछ दिनों से अपनी मांगों को लेकर भूख हड़ताल कर रहे हैं। इसके चलते गुरुवार को इनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद इनमें से दो आतंकियों अबू फैसल और कमरूद्दीन को जेल प्रशासन द्वारा जेपी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जेल प्रशासन आतंकियों की बिगड़ती सेहत के बारे में शासन को लगातार अवगत करा रहा है। गौरतलब है कि जेल में आइसोलेशन में रखे गए ये आतंकी सामूहिक नमाज पढ़ने की अनुमति देने, अंडा सेल से बाहर घूमने, न्यूज पेपर, लाइब्रेरी की सुविधा के साथ घड़ी भी मुहैया कराने जैसी मांगें कर रहे हैं। अपनी इन मांगों को लेकर ये पहले भी भूख हड़ताल कर चुके हैं।उधर कलेक्टर कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने गुरुवार रात जेल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भोजन कक्ष, भंडार कक्ष, मुलाकात कक्ष को देखा और जेल परिसर में स्वच्छ एवं अच्छी तरह से रखरखाव करने क निर्देश दिए। कलेक्टर ने बंदियों से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि सभी व्यवस्थाएं बेहतर रहती हैं। इसके बाद भी कलेक्टर ने

संदिग्ध परिस्थितियों में सीढ़ियों से गिरकर किशोरी की मौत, पुलिस जांच में जुटी

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी के ऐशबाग थाना इलाके में घर की सीढ़ियों पर झाड़ू लगाते समय किशोरी का पैर फिसल गया। इस दौरान उसका दुपट्टा सीढ़ियों पर लगी रैलिंग में फंस गया। गले में दुपट्टा कस जाने के कारण उसकी मौत हो गई। घटना बुधवार की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।यह है घटनाक्रम ऐशबाग थाने के एएसआइ एलबी मिश्रा के मुताबिक बाग फरहत अफजा निवासी 15 वर्षीय जोया पुत्री फेजर बेग कक्षा दसवीं की छात्रा थी। बुधवार दोपहर करीब तीन बजे वह अपने तीन मंजिला घर की सीढ़ियों पर ऊपर से झाड़ू लगाते हुए नीचे की तरफ उतरती जा रही थी। इस दौरान सीढ़ी से अचानक उसका पैर फिसल गया। साथ ही गले में डला दुपट्टा रैलिंग में फंस गया। इससे दुपट्टा गले में बुरी तरह कस गया था। स्वजन उसे बेहोशी की हालत में उपचार के लिए लेकर अस्पताल पहुंचे। वहां कुछ देर बाद छात्रा ने दम तोड़ दिया। इस मामले में अभी स्वजन के बयान नहीं लिए जा सके हैं। मां की डांट से दुखी होकर युवती ने फांसी लगाई स्टेशन बजरिया पुलिस ने बताया कि 20 वर्षीय पूजा पुत्री तुलसीराम दुर्गा नगर में रहती थी। दो साल पहले उसने पढ़ाई छोड़ दी थी। वर्तमान में वह घर का काम काज करती थी। बुधवार शाम को उसने अपने घर में फांसी लगा ली। प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला कि कपड़े

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक चालक युवक की मौत, दो गंभीर

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी के टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित पंचशील नगर में पुलिया के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। बुधवार रात को हुए हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक अपने घर का इकलौता बेटा था। टीटी नगर थाना पुलिस के मुताबिक 18 वर्षीय रामविलास बीडीए कालोनी सलैया में रहता था और निजी काम करता था। बुधवार को रामविलास अपने दोस्त अमन और विशाल के साथ बाइक से घूमने के लिए निकला था। रात करीब ग्यारह बजे तीनों न्यू मार्केट से अपने घर लौट रहे थे। बाइक रामविलास चला रहा था। वे लोग जैसे ही पंचशील नगर पुलिया के पास पहुंचे थे, तभी कोलार तिराहे की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार अचानक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों युवक उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डाक्टर ने चेक करने के बाद रामविलास को मृत घोषित कर दिया। बैरसिया में अज्ञात वाहन ने युवक को कुचला बैरसिया थाना प्रभारी नरेंद्र कुलस्ते ने बताया कि 35 वर्षीय लोकेंद्र पुत्र सरनामसिंह ग्राम बाढेर, शमशाबाद जिला विदिशा का रहने वाला था। मनोरोगी होने के कारण बुधवार को स्वजन उसे उपचार कराने के लिए भोपाल लाए थे। उपचार कराने के बाद घर लौटते समय वे लोग बैरसिया में होंडा शोरूम के सामने रहने वाले अपने रिश्तेदार के घर रुक गए थे। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात रात करीब दो बजे लोकेंद्र चुपचाप घर से बाहर निकलकर सड़क पर पहुंच गया था, तभी किसी अज्ञाव वाहन ने उसे रौंद दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज देखकर टक्कर मारकर भागे वाहन के बारे में सुराग जुटा रही है।

विधानसभा सत्र का तीसरा दिन

द्वितीय अनुपूरक बजट पर आज होगी चर्चा

सिटी चीफ भोपाल।

विगत बुधवार से शुरू हुए मप्र विधानसभा के बजट सत्र का आज तीसरा दिन है। गुरुवार को विधानसभा में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने वर्ष 2023-24 के लिए 30265 करोड़ रुपये का द्वितीय अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया था। इसमें मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लिए 1648 करोड़ रुपये, विद्युत वितरण कंपनियों के लिए उदय योजना में अंशपूंजी के लिए 13365 करोड़ और ब्याज अदायगी के लिए 1200 करोड़ रुपये रखे गए हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री हेली पर्यटन सेवा और एयर एंबुलेंस के लिए भी प्रविधान किया गया है। पूंजीगत व्यय के लिए कुल 20092 करोड़ रुपये रखे गए हैं। इस अनुपूरक बजट पर विधानसभा में आज चर्चा होगी। वहीं कुछ और मुद्दों पर भी सदन में चर्चा होगी। आज सदन में सीहोर से भाजपा विधायक अहमदपुर गांव का नाम देवीपुरा करने के लिए अशासकीय संकल्प प्रस्तुत करेंगे।

घनी आबादी के बीच मकान में चल रहा था अवैध गैस भरने का कारोबार

सिटी चीफ भोपाल।

हरदा की पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण ब्लास्ट के बाद पुलिस ने राजधानी में भी बारूद एवं पेट्रोलियम पदार्थ से संबंधित अवैध गतिविधियों पर नकेल कसना शुरू कर दी है। इस संबंध में विभिन्न थानों में 24 घंटे के अंदर छह से अधिक केस दर्ज किए गए हैं। जहांगीराबाद थाना पुलिस ने घनी आबादी के बीच एक मकान में चल रहे अवैध गैस रीफिलिंग के कारोबार का पर्दाफाश किया। मौके से 32 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। इनमें से 20 भरे हुए थे। जहांगीराबाद थाना पुलिस के मुताबिक लंबे समय से अफजल कालोनी में अवैध गैस रीफिलिंग की शिकायत मिल रही थी। आसपास के लोग गैस रिसन की दुर्गंध से भी परेशान थे। साथ ही यहां बड़े हादसे की भी आशंका थी। गुरुवार दोपहर एक बजे पता चला कि मकान नंबर-18 में रहने वाला भूरा उर्फ जमील घरेलू गैस सिलेंडर से दूसरे सिलेंडर एवं कारों के सिलेंडर में गैस भरने का काम कर रहा है। पुलिस टीम ने संबंधित मकान पर छापा मारा तो वहां भूरा उर्फ जमील के साथ ही मोहम्मद सलीम और सारिम अवैध कारोबार में लिप्त पाए गए। तलाशी के दौरान मौके से 32 सिलेंडर बरामद किए गए। उनमें से 20 भरे हुए थे। साथ ही गैस भरने में इस्तेमाल होने वाली छह मशीन भी बरामद की गईं। यहां भी हुई कार्रवाई इसी तरह तलैया थाना पुलिस ने गिन्नौरी हाथीखाना में मोहम्मद राशिद खान के खिलाफ एवं पिपलानी थाना पुलिस ने आनंद नगर निवासी राजकुमार साहू के खिलाफ आइपीसी की धारा-285 एवं 3/7, आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। इसके अलावा निशातपुरा, कोलार थाना पुलिस ने भी केस दर्ज किए हैं।

कार से आए बदमाश, पेट्रोल पंप संचालक से 45 हजार रुपये लूटे

इंदौर रोड पर बुधवार रात करीब ढाई बजे कार से आए चार बदमाशों ने पेट्रोल पंप संचालक से 45 हजार रुपये लूट लिए। रात करीब पौने तीन बजे पंप से संचालक अपने भांजे के साथ निनौरा स्थित घर जा रहा था। कार से आए चार बदमाशों ने उन्हें रामवासा के समीप ओवरटेक कर रोका और चाकू अड़ाकर रुपये व एक मोबाइल छीन लिया।संचालक ने बदमाशों का पीछा किया तथा दूसरे फोन से पुलिस को सूचना दी। बदमाश निनौरा टोल नाके का बैरियर तोड़कर नानाखेड़ा होते हुए टावर चौक होते हुए मक्सी रोड पर गए थे। पुलिस भी आरोपितों के पीछे लगी थी। मक्सी रोड पर पुलिया के समीप बदमाशों की कार टकरा गई। इस दौरान तीन बदमाश भाग निकले। पंप संचालक व पुलिसकर्मियों ने एक बदमाश को पकड़ लिया। तीन अन्य की पहचान कर ली गई है। बुधवार देर रात की घटना पुलिस ने बताया कि देवेश पुत्र भगवान शर्मा निवासी ग्राम निनौरा इंदौर रोड का पंथपिपलई में यथार्थ पेट्रोल पंप है। शर्मा कांग्रेस नेता सोनू शर्मा के भाई हैं। बुधवार देर रात करीब पौने तीन बजे देवेश शर्मा अपने भांजे अभिषेक के साथ पंप से 45 हजार रुपये लेकर घर जा रहा था। रामवासा के समीप एक स्कार्पियो कार ने शर्मा की कार को ओवरटेक कर रोक लिया। इसके बाद कार से चार बदमाश चाकू, पाइप, राड लेकर उतरे और शर्मा व उसके भांजे से 45 हजार रुपये व अभिषेक का एक मोबाइल छीन लिया। दूसरे फोन से दी पुलिस को सूचना, टोल नाके से बैरियर तोड़ भागे शर्मा से रुपये व मोबाइल छीनने के बाद आरोपितों ने कार की चाबी भी निकालने का प्रयास किया। हालांकि कार की चाबी शर्मा की पेंट की जेब में थी।

शहीद भवन में जनयोद्धा नाट्य समारोह का शुभारंभ आज

गौहर महल में देखें बाग प्रिंट प्रदर्शनी

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। शुक्रवार 09 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी। माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय ने फरवरी माह के प्रादर्श के तहत भूटिया समुदाय के आध्यात्मिक उपकरण फुरबा को प्रदर्शित किया है। वीथि संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है। लोककला प्रदर्शनी - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा भारत के लोग नामक प्रदर्शनी श्रृंखला के अंतर्गत झारखंड के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन पर केंद्रित प्रदर्शनी आवृति भवन में सजाई गई है। इस प्रदर्शनी के जरिए मुंडा, संथाल, उरांव, बिरहोर, भूमिज, माल पहाड़िया, असुर, हो एवं गोंड जनजाति से संबंधित इंगारामासं के वैविध्यपूर्ण संकलन को दर्शाते हुए झारखंड के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन की झलक के प्रस्तुतीकरण का प्रयास है। प्रदर्शनी को सुबह 11 बजे से देखा जा सकता है। बाग प्रिंट प्रदर्शनी - धार जिले के बाग और कुक्षी में रहकर छपाई की परंपरा को आगे बढ़ा रहे शिल्पियों ने गौहर महल में बाग प्रिंट प्रदर्शनी लगाई है। 12 फरवरी तक चलने वाली इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से देखा जा सकता है। हिंदी सेवी सम्मान समारोह - मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा अहिंदी भाषी हिंदी सेवी सम्मान समारोह हिंदी भवन में दोपहर 12:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में हिंदी भाषा के क्षेत्र में योगदान देने वाली गैर हिंदीभाषी सात विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही समिति की ओर से दिये जाने वाले अन्य पुरस्कार एवं सम्मान भी प्रदान किये जाएंगे। जनयोद्धा नाट्य समारोह - स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा नौ से 15 फरवरी तक प्रतिदिन शाम 6.30 बजे से शहीद भवन में आयोजित जनयोद्धा राष्ट्रीय नाट्य समारोह में प्रतिष्ठित नाट्य निर्देशकों सहित मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल द्वारा समारोह के लिए विशेष रूप से तैयार नाटक मंचित होंगे। सात दिवसीय जनयोद्धा राष्ट्रीय नाट्य समारोह में आज मप्र नाट्य विद्यालय के विद्यार्थी नाटक विप्लव आहुति की प्रस्तुति देंगे। निर्देशन भोपाल के टीकम जोशी का है।

सिंगाजी ताप विद्युत गृह के निर्माण व संचालन में गड़बड़ियां, शासन को 2113 करोड़ का नुकसान

मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी के खंडवा स्थित सिंगाजी ताप विद्युत गृह के निर्माण और संचालन में कई तरह की गड़बड़ियां हुई हैं। त्रुटिपूर्ण योजना, ठेकेदार को अग्रिम भुगतान नहीं करने, उसे अनुचित समय विस्तार देने और टरबाइनों की विफलता के चलते शासन को वर्ष 2009 से 2021 तक 2113 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। यह जानकारी विधानसभा में गुरुवार को प्रस्तुत की गई नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट में सामने आई है। गड़बड़ियां सामने आने के बाद सीएजी ने अनुशंसा की है कि सभी इनपुट की योजना बनानी चाहिए, जिससे भविष्य में शुरू होने वाली परियोजनाओं में इसका लाभ मिल सके। कंपनी को पर्यावरणीय मानदंडों और विनियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। कंपनी ने परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए कोई कार्यवाही नहीं की। समय पर फ्यूल लिंकेज की स्वीकृति प्राप्त नहीं की, जिससे 120 करोड़ रुपये छोड़ने पड़े ठेकेदार को अग्रिम भुगतान में देरी की गई, जिससे मप्र विद्युत नियामक आयोग ने निर्माण अवधि का ब्याज एवं आकस्मिक व्यय की राशि 215 करोड़ रुपये का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया। कंपनी ने इकाइयों के वाणिज्यिक संचालन तिथि से काफी पहले जल आपूर्ति अनुबंध कर लिया, 67 करोड़ रुपये का गैर जरूरी भुगतान किया गया। निर्धारित समय पर परियोजना पूरी नहीं होने के कारण महंगी दरों पर बिजली खरीदने में 102 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ा। कंपनी ने संयंत्र के संचालन के लिए आवश्यक सुविधाएं नहीं जुटाई। ऐसे में उत्पादन हानि के अतिरिक्त 1055 करोड़ रुपये स्थायी लागत की वसूली नहीं हुई। यह भी हुआ पीएचई में ठेकेदार को अनियमित भुगतान, गलत दरें तय करने से 283 करोड़ का सरकार को लगा चूना सीएजी ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग में भी गड़बड़ी पकड़ी है। सीएजी ने जल नगम द्वारा चलाई जा रही 58 योजनाओं में से 18 की जांच की। इसमें सामने आया कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने में गलत व्यय, गलत प्राक्कलन, गांव के सभी घरों को शामिल नहीं करने, ओवर हेड टैंक बनाने के लिए गलत दर पर काम देने और ठेकेदार से अतिरिक्त बैंक गारंटी प्राप्त करने में विफलता के चलते शासन को 283 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। कैंपा फंड के अंतर्गत वनीकरण के लिए गलत स्थान का चयन और खरपतवार उन्मूलन पर अनुचित व्यय किया गया है।

संपादकीय

क्या कारगर साबित होगा परीक्षा में गड़बड़ी रोकने का बिल, जानें किस पर कैसे पड़ेगा असर

परीक्षाओं में नकल, पेपर लीक और दूसरी गड़बड़ियां रोकने के लिए लाया गया लोकपरीक्षा (अनुचित साधन रोकथाम) विधेयक 2024 में एक गंभीर समस्या से निपटने की कोशिश की गई है। यह विधेयक मंगलवार को लोकसभा से पारित हो गया और अब इसे राज्यसभा में पेश किया जाना है। लोकसभा में इस पर बहस के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष का जो रचनात्मक रुख रहा और जिस तरह की स्वस्थ बहस इस पर हुई, उसकी भी तारीफ की जानी चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में सरकारी नियुक्तियों के लिए होने वाली परीक्षाओं में गड़बड़ियों का जैसे ट्रेंड ही चल पड़ा है। बड़ी संख्या में युवा दिन-रात मेहनत करके इन परीक्षाओं में शिरकत करते हैं और फिर पेपर लीक या अन्य गड़बड़ियों की वजह से परीक्षाएं रद्द हो जाती हैं। सिर्फ पिछले साल की बात की जाए तो राजस्थान में शिक्षक नियुक्ति परीक्षा, हरियाणा में ग्रुप डी पदों के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट, गुजरात में जूनियर क्लर्क नियुक्ति परीक्षा और बिहार में कॉन्स्टेबल नियुक्ति परीक्षा इनमें शामिल हैं।जिस निरंतरता से और जितने बड़े पैमाने पर परीक्षाओं में गड़बड़ियां देखी जा रही हैं, उससे यह संदेह होना स्वाभाविक है कि इसके पीछे कुछ संगठित गिरोहों का हाथ है, जिनकी सिस्टम के अंदर तगड़ी घुसपैठ है। ऐसे में इसे रोकने के लिए निश्चित रूप से बड़े प्रयासों की जरूरत है। विधेयक में जिस तरह के कड़े प्रावधान किए गए हैं, वे सामान्य नहीं हैं। इनके अपने फायदे-नुकसान हो सकते हैं। हालांकि अच्छी बात यह है कि स्कूल-कॉलेजों की सामान्य परीक्षाओं को इससे बाहर रखा गया है और जो परीक्षाएं शामिल हैं उनमें भी स्टूडेंट्स और कैंडिडेट्स इस विधेयक के दायरे में नहीं हैं। फिर भी, ये प्रावधान इतने कड़े हैं कि इन पर अमल में विशेष सावधानी रखने की जरूरत है। इनका दुरुपयोग कई स्तरों पर खासा नुकसानदेह साबित हो सकता है।मौजूदा हालात में इस समस्या के लिए नया कानून लाने के अपने तर्क हैं जो खारिज नहीं किए जा सकते। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह काफी होगा? ध्यान में रखने की बात है कि जिन कार्यों और गतिविधियों को इस बिल में कवर किया जा रहा है, वे पहले से दंडनीय अपराध हैं और उनके लिए कानून की अलग-अलग धाराएं पहले से मौजूद रही हैं। इसके बावजूद अगर इतने लंबे समय तक और इतने बड़े पैमाने पर धांधलियां चलती रही हैं तो वह सिर्फ कानून की कमी के चलते नहीं हुआ है। उसके पीछे कुछ न कुछ भूमिका कानून लागू करने की जिम्मेदारी निभा रहे लोगों और एजेंसियों की भी निश्चित रूप से रही है। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि इस नए कानून के आने के बाद इसे लागू किस तरह से करवाया जाता है और यह वास्तव में कितना कारगर साबित होता है।

यूसीसी का उत्तराखण्ड के रास्ते शेष भारत में प्रवेश?

यूसीसी पर सुशील मोदी की अध्यक्षता में गठित 17 सदस्यीय कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसद की स्थायी समिति की 3 जुलाइ 2023 की बैठक के बाद सुशील मोदी ने प्रेस को बताया था कि इस संहिता से जनजातियों को अलग किया जा सकता है और यही प्रावधान उत्तराखण्ड की समान नागरिक संहिता में भी किया गया है।उत्तराखण्ड विधानसभा से समान नागरिक संहिता या कॉमन सिविल कोड (यूसीसी) का विधेयक पास कराना सम्पूर्ण भारत में इस संहिता को लागू कराने का ट्रायल माना जा सकता है। क्योंकि बिना राष्ट्रपति या केन्द्र सरकार की अनुमति से न तो यह संहिता लागू हो सकती है और ना ही उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बिना केन्द्रीय नेतृत्व की सहमति के इतने बड़े और विवादित मुद्दे को छेड़ सकते थे। माना जाता है कि पंडित नेहररू ने भी 1951-52 का आम चुनाव समान नागरिक संहिता पर ही लड़ा था जिसका उन्हें लाभ मिला और उन्होंने 19555 और 56 में हिन्दुओं से संबंधित नागरिक संहिताएं (यूसीसी) पारित करवा दीं। परिस्थितियों को देख कर साफ लगता है कि लोकसभा चुनाव से पूर्व समान नागरिक संहिता का ट्रायल उत्तराखण्ड में कराया जा रहा है।यूसीसी पर सुशील मोदी की अध्यक्षता में गठित 17 सदस्यीय कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसद की स्थायी समिति की 3 जुलाइ 2023 की बैठक के बाद सुशील मोदी ने प्रेस को बताया था कि इस संहिता से जनजातियों को अलग किया जा सकता है और यही प्रावधान उत्तराखण्ड की समान नागरिक संहिता में भी किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकाल करना बहुत सामान्य सी बात है, लेकिन धामी सरकार द्वारा नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने वाली जस्टिस रंजना देसाई कमेटी का गृह मंत्री और विधि आयोग से मिलना सामान्य बात नहीं है। ये मुलाकातें दर्शाती हैं कि धामी सरकार का यह कदम अमित शाह के आर्शिवाद और मार्ग दर्शन के नहीं है। नागरिक संहिता की ड्राफ्ट कमेटी ने 2 जून 2023 को दिल्ली में 22वें विधि आयोग के अध्यक्ष जस्टिस ऋतुराज अवस्थी से भेंट की थी। इसके बाद जस्टिस रंजना देसाई ने मुख्यमंत्री धामी के साथ 3 जुलाइ 2023 को इस संबंध में गृहमंत्री अमित शाह से देर सांय मुलाकात की। उसके अगले ही दिन मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद प्रेस से बातचीत करते हुए बताया था कि प्रधानमंत्री उत्तराखण्ड में समान नागरिक संहिता की तैयारियों से भली भांति अवगत हैं। इन मुलाकातों से साफ जाहिर है कि उत्तराखण्ड का यूसीसी कानून अकेले पुष्कर सिंह धामी के दिमाग की उपज नहीं बल्कि एक सुनियोजित चुनावी रणनीति का ही हिस्सा है।जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता वाली कमेटी की 2 जून को 22वें विधि आयोग के अध्यक्ष से मुलाकात के बाद 14 जून को आयोग द्वारा समान नागरिक संहिता पर जन साधारण और धार्मिक संगठनों से राय शुमारी करना भी केन्द्र सरकार की इस संहिता को लागू करने के प्रति बढ़ती रुचि के साथ ही सरकार के उत्तराखण्ड की नागरिक संहिता से सीधे लिंक को ही दर्शाता है। क्यों 21वां विधि आयोग 2018 की अपनी रिपोर्ट में साफ कह चुका था कि भारत में न तो समान नागरिक संहिता जरूरी है और ना ही वांछित है। उस आयोग का गठन भी मोदी सरकार ने ही किया था और उसके पास भी यह विषय विचारणीय था। यही नहीं उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री ने पहले कहा था कि देसाई कमेटी जून तक अपनी रिपोर्ट दे देगी। उन्होंने यह भी कहा था कि संहिता का ड्राफ्ट बन कर प्रेस में है। लेकिन कमेटी की विधि आयोग और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकातों के बाद उसकी रिपोर्ट को इतने विलम्ब से 2 फरबरी को आने का मतलब विधि आयोग और गृह मंत्रालय के सामंजस्य से रिपोर्ट को ऐसा बनाना भी हो सकता है जो कि स्वयं केन्द्र सरकार के काम आए।जस्टिस ऋतुराज अवस्थी की अध्यक्षता में 21 फरबरी 2020 को 22वें विधि आयोग का गठन 3 साल के लिए हुआ था जिसका कार्यकाल फरबरी 2023 में पूरा होने के बाद उसे 31 अगस्त 2024 तक का विस्तार दिया गया है। भारत का विधि आयोग एक गैर-सांविधिक निकाय है और भारत सरकार के विधि और न्याय मंत्रालय की एक अधिसूचना द्वारा कानून के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए एक निश्चित समय सीमा के साथ इसे गठित किया जाता है और आयोग के विचारार्थ विषयों के अनुसार सरकार को (रिपोर्ट के रूप में) सिफारिशें करता है। वर्तमान आयोग के समक्ष भी विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा समान नागरिक संहिता के मामले को संदर्भित किया गया है। आयोग को अपने मूल कार्यकाल की समाप्ति के बाद अब यूसीसी पर तत्परता दिखाने को सीधा मतलब भारत सरकार का इस मुद्दे को अपनी प्रथमिकता में लाना है। तत्परता भी तब दिखाई जा रही है जबकि उसका मूल कार्यकाल ही समाप्त हो गया। सरकार का इस विषय पर इतनी रुचि दिखाने का मतलब 2024 का लोकसभा चुनाव ही हो सकता है।संविधान के नीति निर्देशक तत्व संख्या 44 में सरकार से भारत के पूरे क्षेत्र के अंन्दर समान नागरिक संहिता लागू करने की अपेक्षा की गई है। मौलिक अधिकारों संबंधी अनुच्छेद 24 से 28 की रुकावटों, देश की सांस्कृतिक विधिता और अनुसूची 5 और 6 की विशेष परिस्थितियों के कारण भारत की सरकारें अब तक इसे लागू नहीं कर सकीं। मोदी सरकार धारा 370 को तक हटाने का बहुत ही मुश्किल काम आसानी से कर गई। लेकिन वह भी देश की धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता तथा संवैधानिक प्रावधानों को देखते हुए ''यूसीसी'' को लेकर ठिठक गई।

सियासत: कहां से मिलेंगी भाजपा को 370 सीटें, इस भरोसे की कितनी हैं संभावनाएं

जिस तरह के आत्मविश्वास के साथ भाजपा अगले चुनाव में सीटों की जीत का संभावित आंकड़ा बता रही है, क्या वास्तव में वह संभव है ? प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में वह कहा है, जिसे कहने से आमतौर पर प्रधानमंत्री कतराते रहे हैं। शायद यह पहली बार है कि किसी प्रधानमंत्री ने चुनावों की घोषणा से पहले ही अगले पांच साल के एजेंडे को भी सामने रख दिया हो। यह आत्मविश्वास है या अतिआत्मविश्वास या जुमला या फ्लोटिंग वोटर को प्रभावित करने के साथ विरोधियों को पस्त करने की रणनीति है, अथवा यह समान विचारधारा के विरोधियों को ढका-छिपा निमंत्रण है? कहा गया है कि भाजपा को अपने दम पर 370 और एनडीए को कुल मिलाकर 405 सीटें मिलेंगी। क्या वस्तुत: यह संभव है? तकनीकी तौर पर जरूर संभव है। अगर राजीव गांधी के समय कांग्रेस 1984 में चार सौ पार सीटें ला सकती है, तो नरेंद्र मोदी की भाजपा भी ऐसा क्यों नहीं कर सकती? लेकिन दो अंतर देखे जा सकते हैं। 1984 का चुनाव इंदिरा गांधी की हत्या पर उमड़ी सहानुभूति और गुस्से का इजहार था। इसके अलावा तब कांग्रेस का विस्तार जम्मू-कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और गुजरात से लेकर असम तक था। भाजपा का विस्तार ऐसा है कि लोकसभा की 543 सीटों में से लगभग 150 सीटें ऐसी हैं, जो आज तक उसने जीती नहीं हैं। अगर कोई पार्टी 543 में से 390 में ही मौजूद है, तो वह अपने दम पर 370 तक कैसे पहुंच सकती है? चुनाव विश्लेषकों का मानना है कि अगर भाजपा का पांच फीसदी वोट बढ़ता है, तो वह अधिकतम 343 तक पहुंच सकती है। भाजपा को 2014 में 31 फीसदी वोट के साथ 282 सीटें मिली थीं। 2019 में भाजपा का वोट छह फीसदी बढ़ा और सीटें 21 बढ़ गईं। अगर भाजपा को 370 तक पहुंचना है, तो छह की जगह आठ-दस फीसदी वोट बढ़ाने होंगे। उसे ज्यादा ऐसी सीटों पर जीत हासिल करनी होगी, जहां पांच फीसदी से भी कम वोट मिले हैं। इसमें आंध्र प्रदेश की 25 और तमिलनाडु की 39 सीटें आती हैं। केरल में जरूर भाजपा को दहाई संख्या में वोट मिले हैं, पर वह खाता नहीं खोल पाई है। अगर यह मानकर चलें कि भाजपा हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में पिछले प्रदर्शन को दोहराने में कामयाब हो जाती है, तो 303 सीटों तक पहुंच सकेगी। अगर उत्तर प्रदेश और तेलंगाना में बढ़त ले ले, तो आंकड़ा सवा तीन सौ तक पहुंचेगा। यानी अगर भाजपा को 370 तक पहुंचना है, तो उसे बंगाल और ओडिशा में भी संख्या बढ़ानी होगी। महाराष्ट्र और बिहार में पिछला प्रदर्शन दोहराना होगा। पिछली बार भले ही भाजपा ने 224 सीटें दो लाख के ज्यादा के अंतर से जीती थीं, पर 77 सीटें ऐसी भी थीं, जिन्हें भाजपा एक लाख या उससे कम के अंतर से जीत पाई थी। इन 77 सीटों पर विपक्ष एक संयुक्त उम्मीदवार उतारता है और वोट ट्रांसफर करने पर पूरा जोर लगाता है, तब भाजपा मुश्किल में पड़ सकती है। चुनाव विश्लेषकों का कहना है कि अगर विपक्ष एक रहता है और उसके वोट प्रतिशत में पांच फीसदी का इजाफा होता है, तभी भाजपा 303 से घटकर 223 पर सिमट सकती है। स्पष्ट है कि भाजपा की रणनीति अपना कुनबा बढ़ाने के बजाय विपक्षी कुनबे में क्लेश कराने की होगी। क्लेश बढ़ेगा, तो आम वोटर की नजर में विपक्ष की विश्वसनीयता कम होगी। यहां भी निशाने पर कांग्रेस को लिया जा रहा है। साफ है कि भाजपा को लगता है कि क्षेत्रीय दलों के प्रति नरम रुख अपनाया जाए। भाजपा अगर ऐसा कुछ कर रही है, तो कुछ भी नाजायज नहीं कर रही है। चुनाव जीतने के लिए हर तरह के रणनीतिक हथियारों का इस्तेमाल किया जाता है। देखा जाए तो राम मंदिर, राष्ट्रवाद, करोड़ों की संख्या में लाभार्थी, मोदी की छवि के बावजूद भाजपा कोई जोखिम लेने के लिए तैयार नहीं है। जो पार्टी मेयर का चुनाव भी पूरी गंभीरता से लड़ती हो, वह लोकसभा चुनाव कितनी संजीदगी से लड़ेगी, इसका अनुमान लगाना कोई रॉकेट साइंस नहीं है। भाजपा की लड़ाई विपक्षी दल ही आसान कर रहे हैं। अगर ममता बनर्जी कहें कि कांग्रेस 40 सीटों पर सिमट जाएगी, अगर स्टालिन तमिलनाडु की 39 सीटों को ध्यान में रखकर सनातन का संकट खड़ा कर उत्तर भारत की 200 सीटों को संकट में डाल दें, अगर केजरीवाल और भगवंत मान दिल्ली, पंजाब की 20 सीटों को नाक का सवाल बनाने पर आमादा हो जाएं, तो इसके लिए मोदी को तो दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

स्टार्टअप: कहीं उम्मीदें ज्यादा तो नहीं, पेटीएम और बायजू संकट से उठते हैं कुछ सवाल

स्टार्ट-अप की दुनिया के कुछ बड़े नाम पेटीएम या बायजू जिन संकटों से जूझ रहे हैं, वे दरअसल स्टार्ट-अप की मौजूदा संस्कृति की ही देन हैं, जिसमें नियम-कानूनों की परवाह किए बगैर महज संभावनाओं के स्वप्न तले स्टार्ट-अप को आगे बढ़ाने की कोशिश की जाती है।बीते 31 जनवरी को स्टार्ट-अप दुनिया में भारत के सबसे मशहूर नामों में से एक पेटीएम पेमेंट बैंक के खिलाफ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आदेश के बाद पेटीएम संदेह के घेरे में आ गया है। इससे न केवल पहले से ही घाटे में चल रहे पेटीएम बैंक की मुश्किलें बढ़ गई हैं, बल्कि शेयर बाजार में भी इसके शेयरों में निरंतर उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। हालांकि पेटीएम बैंक के खिलाफ केंद्रीय बैंक की यह पहली कार्रवाई नहीं थी, बल्कि यह मार्च, 2022 से ही चल रहा था, जब पेटीएम बैंक को तत्काल प्रभाव से नए ग्राहकों को जोड़ने से रोकने के लिए कहा गया था और इसके खिलाफ एक व्यापक ऑडिट शुरू किया गया था। अक्तूबर, 2023 में आरबीआई ने अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) मानदंडों का अनुपालन नहीं करने के कारण पेटीएम बैंक पर 5.39 करोड़ रुपये का आर्थिक जुर्माना भी लगाया था। नवीनतम कार्रवाई में अनिवार्य रूप से पेटीएम बैंक की बैंकिंग गतिविधियों को रोकने का निर्देश दिया गया है। हालांकि ऐसा लगता है कि पेटीएम यूपीआई ऐप जिसकी वजह से कंपनी ने पहली बार शोहरत हासिल की थी, फिलहाल चालू रहेगा। पेटीएम की यह पूरी कहानी दरअसल स्टार्ट-अप की दुनिया की हकीकतों को सामने लाती है। स्टार्ट-अप की दुनिया में दरअसल वैश्विक अर्थव्यवस्था की दो अलग-अलग प्रवृत्तियां साथ दिखती हैं। इसमें एक ओर तो एक नए तरह के 'निवेशकों', वेंचर पूंजीपतियों या एंजेल इन्वेस्टर्स के एक वर्ग का उदय हुआ, जो उन लोगों की श्रेणी में थे, जो मूल रूप से उद्यमों के मुनाफे में हिस्सेदारी के बजाय उनमें अपने निवेश के मूल्य में वृद्धि से मुनाफा कमाते हैं। दूसरे शब्दों में, वे उस उद्यम के शेयर खरीदकर फंड उपलब्ध कराते हैं और इन शेयरों के मूल्य में वैसे ही वृद्धि से लाभ की उम्मीद करते हैं, जैसे शेयर बाजार के कारोबार में करते हैं। ये मूल्य जो उद्यम की दीर्घकालिक कमाई की संभावनाओं पर आधारित होते हैं, प्रकृति में पूरी तरह से सट्टा जैसे होते हैं और वास्तव में अर्जित मुनाफे के बजाय व्यवसाय के विकास की संभावनाओं से जुड़े होते हैं। इन्हीं संभावनाओं के चलते इतने सारे स्टार्ट-अप को विकास के लिए फंडिंग मिलती रहती है, भले ही वर्षों तक वे मुनाफा न कमाएं। निवेशक भी अपने जोखिम को कम करने के लिए निवेश को कई उद्यमों के बीच वितरित करके उनमें विविधता लाते हैं। दूसरी प्रवृत्ति डिजिटल प्रौद्योगिकी का उदय है, जो हमारे काम करने के तरीके को बदल रही है, जैसे ऑनलाइन शॉपिंग, दुकान पर जाकर खरीदारी करने की जगह ले रहा है, ऐप के माध्यम से कैब बुक हो रही है या भोजन मंगाया जा रहा है और इन सब के लिए डिजिटल साधनों से भुगतान भी किया जा रहा है। वास्तव में कोई भी नया उद्यम स्टार्ट-अप है, लेकिन आजकल जिसे स्टार्ट-अप कहा जाता है, वे डिजिटल प्रौद्योगिकी पर आधारित वैसे नए व्यवसाय हैं, जो सट्टे की तर्ज पर काम कर रहे निवेशकों द्वारा वित्त पोषित होते हैं। पेटीएम बैंक भी पारंपरिक बैंकों के साथ निजी बैंकों के एक विशेष वर्ग को बढ़ावा देने की रिजर्व बैंक की एक खास पहल का नतीजा था, जिसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करना था। हालांकि इन बैंकों को छोटी जमा राशि स्वीकार करने और ग्राहकों को भुगतान व पैसे भेजने की सुविधा देने की अनुमति थी, लेकिन कर्ज देने की अनुमति नहीं थी। लेकिन यह पहल वास्तव में कभी सफल नहीं हो सकी। वर्ष 2015 में जिन 11 संस्थानों को सैद्धांतिक रूप से पेमेंट बैंक स्थापित करने की अनुमति दी गई, उनमें से मात्र छह ही चालू हैं। इसलिए पेमेंट बैंक की व्यवहार्यता हमेशा से ही एक मुद्दा रही है। हालांकि पेटीएम पेमेंट बैंक प्रकरण की सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं है, सिवाय इसके कि रिजर्व बैंक ने अपनी कार्रवाई के व्यापक कारणों को सार्वजनिक किया है, और वे अनिवार्य रूप से प्रणालीगत नियमों के उल्लंघन की ओर इशारा कर रहे हैं। जिन प्रवृत्तियों ने इस संकट को जन्म दिया है, वे दरअसल स्टार्ट-अप पारिस्थितिक तंत्र की ही देन हैं। इसमें मूल्य बढ़ाने के लिए लाभप्रदता पर विचार किए बिना स्टार्ट-अप को आगे बढ़ाने की कोशिश की जाती है और जो इसमें सफल होते हैं, वे आमतौर पर निवेशकों का बहुत सारा पैसा खर्च करके ही ऐसा करते हैं। अत्यधिक जोखिम उठाना और नियम-कानूनों की सीमाओं का उल्लंघन करना इस प्रक्रिया की निहित प्रवृत्तियां हैं। कभी-कभी जब ये पूरी वित्तीय प्रणाली पर संभावित व्यवधान के साथ नियंत्रण से बाहर जाने का खतरा पैदा करते हैं, तो उदार नियामकों को भी कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। दूसरे शब्दों में, किसी स्टार्ट-अप की सफलता भावी समस्याओं के लिए बीज बोती है। जब स्टार्ट-अप की दुनिया के कुछ बड़े नामों, जैसे पेटीएम या बायजू को इस संकट का सामना करना पड़ता है, तो स्टार्ट-अप्स के भविष्य पर सवाल उठते हैं, लेकिन उनके बारे में यह कोई हैरानी की बात नहीं है। यह कई देशों में और अलग-अलग रूपों में दोहराया जाने वाला एक खास पैटर्न है और यह उस प्रवृत्ति से जुड़ा है, जिसे वित्तीयकरण (स्टार्ट-अप को पैसा मुहैया कराने का तरीका) कहा जाता है। वास्तविक उत्पादन की तुलना में वित्तीय गतिविधियों में असंगत वृद्धि और उनके माध्यम से लाभ कमाना ही असल वित्तीयकरण है, जिसमें वास्तव में किसी उद्यम का मूल्य बनता है। वर्ष 2008 का वैश्विक वित्तीय संकट भी एक ऐसा ही संकट था, जिसकी उत्पत्ति उन्हीं प्रवृत्तियों से हुई थी, जिन्हें वित्तीय क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले नियमों में ढील दिए जाने से बढ़ावा मिला था। पहली नजर में लगता है कि स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र उद्यमिता और नवाचार के फलने-फूलने की गुंजाइश बनाता है, जिससे वित्तीय संसाधनों पर पारंपरिक नियंत्रण के बिना नए खिलाड़ियों को मैदान में प्रवेश करने की अनुमति मिलती है। जबकि इसके पीछे बड़े वित्तीय संसाधनों पर नियंत्रण रखने वाले लोग होते हैं और पारिस्थितिकी तंत्र का चरित्र मुख्य रूप से उनके हितों से आकार लेता है। इसलिए पेटीएम संकट के मद्देनजर हमें जरा रुककर विचार करना चाहिए कि कहीं हम स्टार्ट-अप अर्थव्यवस्था से ज्यादा उम्मीद तो नहीं लगा रहे हैं! रिजर्व बैंक को भी पेटीएम प्रकरण के संबंध में कई जवाब देने होंगे, उसके पिछले फैसले शायद इसके लिए मंच तैयार कर रहे हों।

अमावस्या पर कीजिए बाबा महाकाल के दर्शन, भांग और मेवे से किया गया श्रृंगार, देखते रह गए श्रद्धालु

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में माघ कृष्ण पक्ष की अमावस्या पर शुक्रवार तड़के बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। सुबह चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से जलाभिषेक किया। कपूर आरती के बाद भगवान के मस्तक पर आकर्षक मुकुट, अर्पित कर उनका भांग, मावे और आभूषण से श्रृंगार किया गया। श्रृंगार पूरा होने के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। भस्म अर्पित के बाद बाबा महाकाल को रजत मुकुट, रजत की मुंडमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ साथ सुगन्धित पुष्पों से बनी माला भी अर्पित की गई। जिसके बाद फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। अमावस्या पर हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शनों का लाभ लिया। इस दौरान बाबा महाकाल की जय जयकार से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो गया। मान्यता है की भस्म अर्पित करने के बाद भगवान निराकार से साकार रूप में दर्शन देते हैं। इंसान इसी मिट्टी से मिलकर बना है और एक दिन इसी मिट्टी में मिल जाता है। लेकिन, भस्म के जरिए वह भगवान शिव से हमेशा जुड़ा रहता है। इस आरती में शामिल होने के लिए लोग दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं।

सितारों ने उठाया फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया का लुत्फ, स्वैग में दिखे शाहिद-कृति

शाहिद कपूर और कृति सेनन अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 9 फरवरी यानी आज सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है। फिल्म की कहानी बेहद अनोखी है। इसमें एक रोबोट और एक इंसान के बीच प्रेम प्रसंग देखने को मिलेगा। स्टोरी लाइन ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाया हुआ है। इसी बीच फिल्म के निर्माताओं ने मुंबई में इसकी स्पेशल स्क्रीनिंग आयोजित की, जिसमें पहुंचकर मनोरंजन जगत की तमाम हस्तियों ने इसका लुत्फ उठाया।

शाहिद कपूर की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया को देखने के लिए पिता पंकज कपूर भी पहुंचे। इस दौरान उन्हें सूट-बूट में पैपराजी के कैमरों के लिए पोज देते देखा गया। साथ ही सुप्रिया पाठक ने भी कैजुअल लुक में स्माइल के साथ कार्यक्रम स्थल पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की स्क्रीनिंग पर मुख्य अभिनेता शाहिद कपूर का डैपर लुक देखने को मिला। अभिनेता ने ब्लैक टीशर्ट और ब्लैक जींस के साथ ब्लैक डेनिम जैकेट पहनी हुई थी। पैपराजी ने शाहिद के स्वैग को अपने कैमरों में कैप्चर किया। इवेंट में निर्माता दिनेश विजान का भी कैजुअल लुक देखने को मिला। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की स्क्रीनिंग में जान्हवी कपूर भी शिरकत करती नजर आईं। इस दौरान अभिनेत्री ने कॉर्सेट टॉप के साथ फिटेड ट्राउजर पहना हुआ था। खुले बालों और मिनिमल मेकअप में जान्हवी हमेशा की तरह बला की खूबसूरत लगीं। वहीं, रकुल प्रीत सिंह ने इवेंट में शिरकत कर पूरी लाइमलाइट बटोर ली।

अभिनेत्री ने स्क्रीनिंग के लिए येलो और ब्लू कलर की प्रिंटेड फ्रॉक ड्रेस पहनी हुई थी, जिसमें वह बेहद स्टनिंग नजर आ रही थीं। रकुल प्रीत के साथ जैकी भगनानी को भी पैपराजी के कैमरों के लिए पोज देते देखा गया। फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग में इसकी मुख्य अभिनेत्री कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन को भी देखा गया। फ्रॉक ड्रेस में नुपुर बेहद ग्लैमरस नजर आईं। वहीं, मुख्य अभिनेत्री कृति सेनन तो काफी यादा हसीन लग रही थीं। अभिनेत्री ने इस खास इवेंट के लिए ब्लैक कॉर्सेट टॉप और लैदर पैंट पहनी हुई थी।

एलओसी रद्द करने के लिए रिया चक्रवर्ती ने दायर की थी अपील, बॉम्बे हाईकोर्ट ने टाला फैसला

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अभिनेत्री के खिलाफ एक स्थायी लुक-आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था, जिसमें उन्हें अदालत की पूर्व मंजूरी के बिना विदेश यात्रा करने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को रिया चक्रवर्ती, उनके भाई शोविक और उनके पिता द्वारा दायर याचिका पर अपना फैसला टाल दिया, जिसमें उनके खिलाफ जारी लुक-आउट सर्कुलर (एलओसी) को रद्द करने की मांग की गई थी। यह एलओसी केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के मामले में चल रही जांच के बीच जारी किए गए थे।

अदालत ने टाला फैसला

हालांकि, दिसंबर 2023 में उच न्यायालय ने एलओसी को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया था, क्योंकि उनकी दुबई में कुछ पेशेवर प्रतिबद्धताएं थीं। वहीं अब गुरुवार को अभिनेत्री के साथ भाई शोविक और उनके पिता द्वारा याचिका दायर किए जाने के बाद अदालत ने एलओसी रद्द करने पर अपना फैसला टाल दिया है। अधिवक्ता अयाज खान ने अदालत से तर्क दिया कि यदि आरोपी नियमित रूप से अदालत में पेश नहीं होते हैं और गिरफ्तारी से बचते हैं तो एलओसी जारी की जानी चाहिए।

पटना में दर्ज की गई थी एफआईआर

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ ने सीबीआई के रुख को चुनौती

दी कि केवल एफआईआर की उपस्थिति ही एलओसी जारी करने के लिए पर्याप्त आधार है। पीठ ने कहा कि एलओसी ने प्राप्तकर्ताओं के फरार होने का कोई संदेह व्यक्त नहीं किया। दरअसल, दिल्ली में सीबीआई को स्थानांतरित होने से पहले सुशांत सिंह राजपूत के परिवार द्वारा पहली बार एफआईआर पटना में दर्ज की गई थी। रिया चक्रवर्ती के मामले पर वकील अभिनव चंद्रचूड़ और प्रसन्ना भंगाले ने बहस की, जिन्होंने कहा कि मुंबई सही क्षेत्राधिकार था, क्योंकि सुशांत सिंह राजपूत और रिया चक्रवर्ती दोनों वहां रहते थे और सीबीआई ने इस शहर में अपनी जांच की।

दुबई की यात्रा करने की मिली थी अनुमति

पिछले साल दिसंबर में उच न्यायालय ने अभिनेत्री के खिलाफ एलओसी को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था, जिससे उन्हें एक पालतू भोजन कंपनी के ब्रांड एंबेसडर के रूप में उनकी भूमिका से संबंधित एक सप्ताह के लिए दुबई की यात्रा करने की अनुमति मिल गई थी। इसी तरह पिछले साल की शुरुआत में एचसी ने एक पुरस्कार समारोह में भाग लेने के लिए उनके खिलाफ एलओसी को भी निलंबित कर दिया था। हालांकि वे उस अवसर पर यात्रा नहीं कर सकीं।

मीरा राजपूत ने किया तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया का रिव्यू

बोलीं- हंस-हंसकर हुआ पेट में दर्द

शाहिद कपूर और कृति सेनन की रोमांटिक ड्रामा फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया का इंतजार लोगों को बेसब्री से है। कुछ समय पहले ही इस फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे देखकर फैंस हंसी से लोटपोट हो गए थे। फिल्म को रिलीज होने में अब महज कुछ ही दिन का समय बचा हुआ है। इस बीच हाल ही इस फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग रखी गई, जिसमें शाहिद का परिवार भी नजर आया। अभिनेता की फैमिली से उनकी पत्नी मीरा राजपूत, ईशान खट्टर और उनकी मां नीलिमा अजीम फिल्म देखने पहुंचीं।

इस फिल्म को देखने के बाद मीरा ने सोशल मीडिया पर फिल्म की समीक्षा की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए बताया कि इसे देखने के बाद उन्हें बहुत मजा आया। शाहिद और फिल्म की टीम को बधाई देते हुए मीरा ने लिखा, हंसी से भरपूर...लंबे समय के बाद इतना मनोरंजक कुछ देखा। प्यार, हंसी, मस्ती, डांस और दिल को छू लेने वाला संदेश। उन्होंने फिल्म की अभिनेत्री कृति के अभिनय की भी सराहना की और कहा, आप बिल्कुल परफेक्ट थीं। साथ ही, इस फिल्म को देखकर उन्होंने अपने पति की भी तारीफों के पुल बांधे। मीरा ने लिखा, ओजी लवर ब्वॉय, आपके जैसा कोई नहीं है। आपने मेरा दिल पिघला दिया। फिल्म की समीक्षा करते हुए उन्होंने सारांश में लिखा कि इसने दिल से हंसाया, जिसकी वजह से पेट दर्द हो रहा है। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की चर्चा लंबे समय से चली आ रही है। माना जा रहा है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अछी ओपनिंग ले सकती है। फिल्म में शाहिद एक रोबोट वैज्ञानिक के रूप में नजर आने वाले हैं। वहीं, कृति इसमें सिफरा नाम की रोबोट बनी दिखेंगी।

इस फिल्म में दोनों की लवस्टोरी को मनोरंजक अंदाज में पेश करने की कोशिश की गई है। इसका लेखन और निर्देशन अमित जोशी और आराधना साह ने किया है। फिल्म का निर्माण दिनेश विजन, योति देशपांडे और लक्ष्मण उतेकर ने किया है। धर्मेंद्र और डिंपल कपाड़िया जैसे अनुभवी कलाकार भी इस फिल्म में नजर आने वाले हैं।

किरण का लापता लेडीज के निर्माण को लेकर बड़ा खुलासा

बताया- किंडलिंग बैनर तले क्यों है सह निर्मित?

किरण राव इन दिनों अपनी आगामी निर्देशित फिल्म लापता लेडीज की रिलीज के लिए तैयार हैं। किरण का इस फिल्म में उनके पूर्व पति आमिर खान भी सहयोग कर रहे हैं। निर्देशक अपनी इस फिल्म का आमिर खान और करू के साथ फिल्म प्रमोशन जोरो शोरो से कर रही हैं। इस फिल्म के ट्रेलर और पोस्टर को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। किरण ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान आमिर खान प्रोडक्शंस के बजाय अपने खुद के बैनर के तहत फिल्में बनाने के अपने फैसले पर खुलकर बात की। किरण राव ने बताया कि ऐसा नहीं है कि वे किसी भी तरह से एकेपी के साथ काम नहीं करना चाहती हैं। उनका मानना है कि उनका प्रोडक्शन हाउस उन्हें वह काम करने की आजादी देता है, जो वे बनाना चाहती हैं। उन्होंने कहा, आमिर खान प्रोडक्शंस ने मुझे वह सब करने के लिए जगह दी है, जो मैं करना चाहती हूं। मैं हर प्रोडक्शन से जुड़ रही हूं। मैं हमेशा एकेपी से जुड़ी रहूंगी, क्योंकि मुझे लगता है यह मेरा है। मैं आध्यात्मिक और भावनात्मक रूप से एकेपी से जुड़ी हुई हूं। किरण ने कहा, मैं यह उम्मीद नहीं कर सकती कि आमिर वह सब कुछ बनाएंगे, जो मैं बनाती हूं। वे जब तक काम नहीं करते, जब तक उनके बेटे, बेटी, पत्नी और भाई पहले उस काम को देख ना लें। दरअसल, किरण ने किंडलिंग पिक्चर्स को कई साल पहले लॉन्च किया था, लेकिन लापाता लेडीज बैनर के तहत निर्मित होने वाली उनकी पहली निर्देशित फिल्म होगी। उन्होंने ओटीटी की दुनिया में जाने की अपनी इछा व्यक्त की। किरण ने बताया कि आमिर खान अभी वेब सीरीज बनाने के इछुक नहीं हैं। हालांकि, अपने प्रोडक्शन हाउस में वेब सीरीज बनाने के लिए किसी भी समय वे एकेपी (आमिर खान प्रोडक्शंस) से बात कर सकती हैं और प्रोजेक्ट के बारे में पूछ सकती हैं कि क्या वे इस तरह के प्रोजेक्ट बनाने में रुचि रखते हैं। किरण राव की फिल्म की बात करें, तो लापता लेडीज एक आगामी कॉमेडी-ड्रामा है, जिसे आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म की कहानी बिप्लब गोस्वामी की एक पुरस्कार विजेता पर आधारित है। लापता लेडीज की कहानी और संवाद स्नेहा देसाई और दिव्यनिधि शर्मा के जरिए लिखे गए हैं। जियो स्टूडियोज के जरिए प्रस्तुत इस फिल्म का निर्माण आमिर खान और योति देशपांडे ने किया है। यह फिल्म एक मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म के सेट से शुरू हुई इन सितारों की लव स्टोरी, काजोल से लेकर करीना तक हैं शामिल..

वैलेंटाइन सप्ताह की शुरुआत हो चुकी है। दुनिया भर में न जाने कितने ही जोड़े इस सप्ताह में अपने प्यार का इजहार करते हैं। कुछ लोग वैलेंटाइन सप्ताह में शादियां भी करते हैं। तो, प्यार और इजहार के इस मौसम में आइए आज आपको बॉलीवुड के उन सितारों की प्रेम कहानियों से रूबरू करवाते हैं, जिनके प्यार की कहानी की शुरुआत उनके फिल्म के सेट से हुई थी।

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर इस लिस्ट में पहला नाम बॉलीवुड के मशहूर कपल आलिया भट्ट और रणबीर कपूर का है। उनकी प्रेम कहानी की शुरुआत फिल्म ब्रह्मास्त्र के सेट हुई थी। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान रणबीर ने आलिया को प्रपोज भी किया था। आलिया ने खुद इस बात का खुलासा कॉफी विद करण में किया था। कई साल तक डेट करने के बाद 2022 में दोनों सितारे शादी के बंधन में बंध गए।

करीना कपूर और सैफ अली खान- बॉलीवुड में पावर कपल के नाम से मशहूर सैफ अली खान और करीना कपूर की प्रेम कहानी की शुरुआत भी एक फिल्म के सेट से ही हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो करीना और सैफ फिल्म टशन के दौरान एक दूसरे को दिल दे बैठे थे।

अजय देवगन और काजोल बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री काजोल की प्रेम कहानी भी काफी दिलचस्प है। फिल्म हलचल के सेट पर वे और अजय देवगन एक दूसरे को दिल दे बैठे थे। कई साल तक एक दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने शादी कर ली। आज वे एक खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं।

अभिषेक बचन और ऐश्वर्या राय बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री ऐश्वर्या राय की लव स्टोरी की शुरुआत भी एक फिल्म के सेट से हुई है।

बॉक्स ऑफिस पर फाइटर की पकड़ बरकरार, हनुमान की कमाई में आई गिरावट

जनवरी के महीने में रिलीज हुई दो फिल्में फरवरी में भी बॉक्स ऑफिस पर जलवा दिखा रही हैं। हालांकि, दोनों ही फिल्मों की कमाई की रफ्तार अब काफी धीमी हो चुकी है। हम बात कर रहे हैं, ऋतिक रोशन की फाइटर और तेजा सजा अभिनीत हनुमान की। इन दोनों ही फिल्मों को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। यही वजह है कि इन फिल्मों की कमाई डबल सेंचुरी के करीब पहुंच गई है। आइए जानते हैं गुरुवार को इन फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन रहा। सबसे पहले बात करें फाइटर की तो सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी इस फिल्म को जनता का तगड़ा रिस्पॉन्स मिला है। ऋतिक के अलावा इसमें दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, करण सिंह ग्रोवर, जैसे कलाकारों ने अपने अभिनय से लोगों को प्रभावित किया है। इसके अलावा फिल्म की कहानी और गाने भी दर्शकों के दिलों में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। पहले हफ्ते में फिल्म ने 46.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे हफ्ते में भी यह फिल्म ठीक-ठाक कमाई करने में कामयाब रही है। 14वें दिन फिल्म ने तीन करोड़ रुपये का बिजनेस किया था, जबकि 15वें दिन फिल्म की कमाई में मामूली गिरावट ही देखने को मिली। दूसरे गुरुवार को यह फिल्म दो करोड़ 65 लाख रुपये का कलेक्शन करने में सफल रही। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब 187.40 करोड़ रुपये हो गई है। माना जा रहा है कि तीसरे सप्ताह में यह 200 करोड़ के क्लब में आसानी से शामिल हो जाएगी। साउथ के छोटे बजट की फिल्म हनुमान ने लोगों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। इस फिल्म को देखने के लिए दर्शक अब भी सिनेमाघरों का रुख कर रहे हैं। इस फिल्म के लिए निर्देशक प्रशांत वर्मा की जमकर तारीफ की जा रही है।

जियो स्टूडियोज के और 50 करोड़ को लगा पलीता, कृति सेनन का क्या होगा!

इन दिनों अक्सर ऐसी खबरें पढ़ने को मिल ही जाती हैं कि मोबाइल छीनने पर बचे किस तरह जिद करने लगते हैं, कोई खाना नहीं खाता है तो कोई अपना सिर दीवार पर पटकने लगता है! कुछ बड़े बचों की भी खबरें आती रहती हैं जिन्हें मोबाइल पर रात में चैट से मना करने या वीडियो गेम खेलने से मना करने वे हिंसक हो जाते हैं और इंटरनेट के रिश्तों के आगे खून के रिश्ते भूल जाते हैं। ये सच है कि तकनीक और खासतौर से कृत्रिम मेधा (एआई) ने मानव जीवन पर असर डालना शुरू कर दिया है। लंबे समय से विकसित की जा तकनीक रोबोट का घरेलू और कारोबारी कामों में मदद के लिए इस्तेमाल होने भी लगा है लेकिन क्या हो अगर कोई 42 साल का बचा एक ऐसी रोबोट पर मोहित हो जाए जिसे उसकी मौसी ने घरेलू कामकाज में मदद के लिए तैयार किया है। विचार अछा है, इंसानी कौशल से तैयार मशीनों की कृत्रिम मेधा कैसी तबाही लाती है, ये कहानियां हम हॉलीवुड की फिल्मों में खूब देख चुके हैं। अब बारी हिंदी सिनेमा की। 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' एक अद्भुत विचार है, इस विचार पर फिल्म कैसी बनी है, आइए जानते हैं!

जियो की मेधा दिनेश विजन

रोबोट अगर खराब हो जाए, उसकी आंतरिक व्यवस्था में कोई खामी आ जाए या वह अपने प्रशासक (एडमिन) के निर्देश मानने से ही मना कर दे, तो कुछ भी हो सकता है। कृत्रिम मेधा तक तो फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' नहीं पहुंचती लेकिन इसे बनाने वालों की मेधा जरूर इस फिल्म में अपना इम्तिहान देती दिखती है। जियो स्टूडियोज के पास अथाह पैसा है। उनके एप जियो सिनेमा को लगातार कुछ नया दिखाने के लिए फिल्में, वेब सीरीज और भी बहुत कुछ चाहिए। विदेश से उन्हें अछी फिल्में व वेब सीरीज मिल भी गई हैं। लेकिन, हिंदी सिनेमा का क्या करें, जहां उनको सबसे मेधावी निर्माता अब तक दिनेश विजन ही मिले हैं। हिंदी सिनेमा में चर्चा ये भी रही है कि जियो स्टूडियोज ने दिनेश विजन की कंपनी मैडॉक फिल्म्स में आधी हिस्सेदारी खरीद ली है। तो अब जियो स्टूडियोज अपना घरेलू स्टूडियोज वॉयकॉम18 होते हुए भी मैडॉक के साथ थोक में फिल्में बना रहा है और दर्शकों को लगातार पका रहा है।

साल की पहली मेगास्टार पकाऊ फिल्म

फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' इस साल की पहली मेगास्टार पकाऊ फिल्म है। 2019 में 'कबीर सिंह' से जो कुछ शाहिद कपूर ने कमाया था, उसे वह अपनी 'फर्जी' जैसी सीरीज और 'जर्सी' जैसी फिल्म में गंवा चुके हैं। अली अब्बास जफर की फिल्म 'ब्लडी डैडी' बढ़िया थी, लेकिन वह ओटीटी पर रिलीज हो गई। अब फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में शाहिद कपूर फिर से इकन्ना एक पढ़ रहे हैं। उनकी जोड़ीदार कृति सेनन का तो कहना ही क्या? मौजूदा दौर की वह इकलौती हीरोइन हैं, लाइन से आधा दर्जन फ्लॉप फिल्में पिछले दो साल में दे चुकी हैं। फ्लॉप की डबल हैट्रिक लगा चुकीं कृति का भी फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में शाहिद के साथ इम्तिहान है। और, वह भी एक ऐसी कहानी में है जिसमें दर्शकों के देखने लायक कुछ खास है नहीं। लड़की रोबोट है, लड़का उस पर एक रात बिताने के बाद से फिदा है। वह इस रोबोट से शादी भी करना चाहता है। घरवालों को वह कुछ बताता नहीं है और जिनको जिनको लड़की की असलियत पता चलती जाती है, उनको वह डराता, धमकाता, पुचकारता रहता है।

खुशबू आ नहीं सकती कभी कागज के फूलों से

आनंद बक्षी 50 साल पहले लिख चुके हैं, सचाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से, के खुशबू आ नहीं सकती कभी कागज के फूलों से....! नवोदित निर्देशक जोड़ी अमित जोशी और आराधना शाह ने अपनी पहली फिल्म के लिए बहुत ही बनावटी फिल्म लिखी है। जाहिर है दोनों ने जब ये आइडिया क्रैक किया होगा तो दोनों उछल पड़े होंगे कि वाह! क्या कमाल फिल्म बनेगी इस पर। दिनेश विजन की सिनेमाई समझ का सेंसेक्स इधर लगातार लाल निशान पर ही बंद हो रहा है। वह विचार पर फोकस रखते हैं, फिल्म पर नहीं। फिल्म उनको बनानी है। हीरोइन कृति सेनन को लेना है। बाकी काम लक्ष्मण उतेकर के हवाले है। वह भी अब कैमरा ही संभालने में लगे रहते हैं। रंग बिरंगे प्रोडक्शन डिजाइन को चटक रंगों के साथ फ्रेम में सजाकर वह अपना काम पूरा कर देते हैं। नए निर्देशकों को इनमें से कोई नहीं बताता कि शाहिद कपूर की आंखों के पास पड़ने लगीं झुर्रियां उन्हें ऐसी प्रेम कहानियो के लिए कब का अनफिट बना चुकी हैं। डांस एक्सपर्ट माने जाने वाले शाहिद से अब डांस भी नहीं होता। डांस देखना हो तो उनके छोटे भाई ईशान का फिल्म 'पिप्पा' का गाना 'मैं मरजाना..' देखिए। ईशान ही इस फिल्म के लिए सही वाइस भी होते। हाथी और चींटी वाले घटिया जोक सुनाकर निर्देशकों की ये नई जोड़ी अपनी मेधा का स्तर भी दर्शकों के सामने खोलती रहती है।

कटनी में सूर्योदय बैंक में 17 बोगस खातों के माध्यम से हुआ करोड़ों रुपए के ऑनलाइन गेमिंग ट्रांजेक्शन, 10 आरोपी गिरफ्तार

कटनी, कटनी जिले के माई जी नदी के समीप सूर्योदय बैंक में 17 बोगस खाते खोल करोड़ों रुपए के ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के मामले में कटनी पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया की इन खाते में ऑनलाइन गेमिंग के माध्यम से करोड़ों रुपए के ट्रांजेक्शन हुए है, और इस मामले में दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज एक पहले ही एक आरोपी को अरेस्ट कर पूछ तक की तो पता चला की माधवनगर के गैतरा ग्राम के युवाओं को पैसे देकर खाते खोले गए है। जिसका मास्टर माइंड दुर्गेश यादव जो पन्ना जिले के शाहनगर निवासी है जो अभी भी फरार चल रहा है। वही इस मामले में भोपाल से अन्य 9 आरोपियों को अरेस्ट किया गया है जिसके पास से 3 लेपटॉप और 9 मोबाइल फोन जब्त किए है। कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने बताया मई नदी के पास स्थित सूर्योदय बैंक की शाखा प्रबंधक अंकिता गुप्ता ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कई गई थी की उनके बैंक में कई ऐसे खाते खोले गए है जिन खातों से करोड़ों रुपए के ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किए है। जिस शिकायत के आधार पर जिन युवकों के खाते थे उनसे जब पूछ तक की गई तो उनका कहना था की उन्हे खाते खिलाने के एवज में पैसे दिए गए थे और उन्हें यह नहीं पता की उनके बैंक खाते में किस्तें रूपए के ट्रांजेक्शन हुए है वही युवाओं ने पुलिस को दो नाम बताए जिन्होंने ने खाते खुलवाए है जिनका नाम विवेक पटेल और दूसरे का नाम दुर्गेश यादव है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेक पटेल को अरेस्ट कर लिया वही दुर्गेश पटेल अभी भी फरार है। अरेस्ट हुए विवेक पटेल से माधवनगर की पुलिस ने पूरे मामले में पूछताछ की वही अपने सूचना तंत्र के माध्यम से माधवनगर की पुलिस टीम भोपाल पहुंच एक अपार्टमेंट से 9 लोगो को अरेस्ट किया जिनके पास से 3 लेपटाप और 9 मोबाइल फोन जब्त किए है। वही कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने यह भी बताया की आरोपियों के अरेस्ट होने के बाद पता चला की सूर्योदय मिनी फयनेश बैंक में करीबन 17 बोगस खाते खोले गए थे और इन खाते में कई बैंकों से करीबन 4 करोड़ों रुपए का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन हुए थे। इस पूरे मामले में अभी तक 10 आरोप अरेस्ट हुए है। वही इस पूरे मामला का मास्टर माइंड दुर्गेश यादव फरार चल रहा जिसे जल्द ही अरेस्ट कर लिया जाएगा। और इस मामले में और भी बड़े खुलासे हो सकते है।

कटनी पुलिस का सफल प्रयासः

दो वर्षों बाद फरार चल रहे नाबालिक अपहरण के आरोपियों को गिरफ्तार

कटनी, कटनी की विजयराघवगढ़ थाने की पुलिस ने नाबालिक बालिका को मंदसौर में दो लाख में बेचने वाले आरोपी नितिन जैन, उसकी पत्नी प्रीति जैन को अरेस्ट किया है। जो कि 2022 से फरार चल रहे थे, जिन्हें गिरफ्तार करने के लिये 10-10 हजार रूपये के इनाम भी रखा गया था जिन्हे गुजरात से अरेस्ट करने में सफलता मिली है।

विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र निवासी परियारी ने स्वयं की नाबालिक बच्ची को किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा अपहरण किए जाने की रिर्पोट थाने 2022 में थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की और नाबालिक बच्ची को ढूंढ कर परिजनों सौंप दिया गया था तथा नाबालिक बच्ची से घटना क्रम के सम्बंध में पूछतांछ की गई जिसने बताया कि उसे अज्ञात व्यक्ति के द्वारा उसे पत्नी बनाकर रखा गया था और उसके मरने के बाद दूसरे व्यक्ति को बेच दिया गया था उक्त मामले के 03 आरोपियों को 2022 में पहले ही अरेस्ट कर लिया था। वही 2023 में मामले के फरार आरोपी रंजीत उर्फ ??रणजीत सिंह ग्राम साललखेडी पुलिस थाना भानुपरा जिला मंदसौर से भैरू सिंह पिता तथा आरोपी लाल सिंह सौंधिया पिता अमर सिंह सोधिया उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम कादमी थाना सुसनेर जिला आगर मालवा को गिरफ्तार किया गया था। वही इसी क्रम में शेष फरार आरोपी नितिन जैन, उसकी पत्नी प्रीति जैन जो कि 2022 से फरार चल रहे जिन्हें पकड़ने के लिए विजयराघवगढ़ पुलिस लगातार प्रयास करते हुए अपने मुखबिर तंत्र को मजबूत किया और पुलिस अधीक्षक के अथक प्रयासों से मामले के फरार आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए टीम का गठन कर टीम को गुजरात भेजा गया था पुलिस टीम गुजरात पहुँचकर हर सम्भावित स्थानों में छापामारी की गई किन्तु सफलता नहीं मिल पा रही थी तब स्थानीय मुखबिर तंत्र से सम्पर्क कर फरार आरोपी के ठिकाने पर पहुंचीं जो कि अपने रहने के स्थान को बदलते हुए अपना छुपाव किए हुए दोनो पति पत्नि साथ में रह रहे थे। जिन्हें पकड़ने के लिए पुलिस पहुंची लेकिन घर पर ताला लगा मिला। पुलिस लगातार दो दिवस तक वहां हर संभावित स्थानों में ढूढती रही और अंत में पुलिस टीम को फरार आरोपी गुजरात शहर में आटो चलाते मिला। पुलिस टीम ने आरोपी को धर दबोचा, लेकिन आरोपी अपना गलत नाम पता बताकर गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन उसकी स्थानीय बातचीत के तरीके व पुलिस टीम की सूझ-बूझ व सख्ति से पुछतांछ किए जाने पर झूठ पकड़ लिया और आरोपी ने अपना सही नाम पता बताया। कटनी पुलिस ने दो वर्षों से फरार आरोपी पति पत्नि दोनों पर दस-दस हजार के इनाम घोषित किये गये थे। जिन्हें पकड़कर पीड़िता को न्याय दिलाने में सराहनीय भूमिका निभाई है।

शहडोल तक सुनाई दी हरदा विस्फोट की गूंज, हरदा घटना के बाद एक्शन मुड़ में आया शहडोल जिला प्रशासन विस्फोटक स्थल का निरीक्षण कर टटोली नब्ज

शहडोल, हरदा मे हुए विस्फोट के बाद एक्शन में आए शहडोल जिला प्रशासन ने जिले के सभी विस्फोटक सामग्री बनाने वाली फैक्ट्रियां, संस्थान एवं विस्फोटक सामग्री बेचने वाली दुकानों की जांच किया, नियमविरुद्ध चल रहे पटाखे दुकानों में कार्यवाही करते हुए कुछ दुकानों के शील किया। मध्यप्रदेश के हरदा जिले में पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट के बाद शहड़ोल जिला प्रशासन जागा और कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट वंदना वैद्य एसपी कुमार प्रतीक एसडीएम जिले में जितने भी विस्फोटक सामग्री बनाने वाली फैक्ट्रियां, संस्थान एवं विस्फोटक सामग्री बेचने वाली दुकानों की जांच किया, इस दौरान कुछ जगहों पर नियमविरुद्ध रखे पटाखे को शील कर कार्यवाही की है। इसके साथ ही पटाखे की एक फैक्ट्री का भी निरीक्षण कर अमानक विसोफोटक सामग्री जप्त कर कार्यवाही की है।

धार्मिक नगरी मैहर में श्रीमद् भागवत कथा का पांचवा दिवस समापन

भगवान का बाल क्रीड़ा के साथ सुदामा चरित्र का प्रसंग

मैहर, नगर के समाजसेवी एवं अधिवक्ता रहे स्व. शारदा प्रसाद सोनी जी की स्मृति में उनकी माता जी श्रीमती अमृता सोनी स्व. धर्मपत्नी सियाशरण सोनी एवं श्रीमती सुनीता सोनी अध्यक्ष मैहर स्वर्णकार महिला समाज एवं नगर मंडल मंत्री भाजपा संगीता सोनी, संजय सोनी, अनमोल सोनी, सिद्धांत सोनी एवं समस्त सोनी परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का कार्यक्रम शनिवार 3 फरवरी 2024 से प्रारंभ का कार्यक्रम गुरुवार 8 फरवरी 2024 को श्री सुदामा चरित्र व्यास पूजन का कार्यक्रम ठीक शाम दोपहर 3:00 बजे से 6:00 बजे तक प्रतिदिन एवं कार्यक्रम स्थल पंजाबी गुरुद्वारा के सामने वार्ड क्रमांक 6 मैहर में श्री धाम वृंदावन से पधारे कथावाचक पूज्य साक्षी शुक्ला जी के द्वारा कथा श्रवण कराई जा रही है। कार्यक्रम में श्रीमती सुनीता सोनी स्व.शारदा प्रसाद सोनी एवं संगीता सोनी संजय सोनी के द्वारा नगर के सभी धर्म प्रेमी जनता से कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किया गया है साथ ही कार्यक्रम का समापन शुक्रवार 9 फरवरी 2024 को गंगा लहरी एवं हवन भंडारा का कार्यक्रम संपन्न होगा 10 फरवरी शनिवार को आप सभी सादर आमंत्रित है। इस अवसर पर मैहर विधायक श्रीकान्त चतुर्वेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश सुहाने, नगरपलिका अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी, महेश तिवारी, विश्वनाथ चौरसिया गुड्डू भैया, सन्तोष सोनी, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष दिलीप त्रिपाठी, सूर्यप्रकाश चौरसिया, सत्यभान सिंह पटेल, अशोक सर्राफ, राकेश सोनी, श्रीमती अनीता तिवारी, श्रीमती रीटा आहूजा, श्रीमती भक्ति शर्मा, श्रीमती सरोज गुप्ता, श्रीमती पूजा गुप्ता, श्रीमती पूजा तिवारी, श्रीमती कृष्णा बर्मन, शिवानी बर्मन, राम प्रकाश गुप्ता, पी एल द्विवेदी, श्रीनिवास चतुर्वेदी, रवि सोनी, सत्यप्रकाश कुशवाहा, लल्ला परौहा सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ईश्वर शर्मा जी के पदचिह्नों का अनुकरण करें- जूडिशियल कॉउन्सिल

नई दिल्ली, श्री ईश्वर कुमार शर्मा के रूप में विश्व ने एक प्रमुख शख्सियत खो दी है तथा भारत ने अपना एक महानतम व्यक्ति शर्मा जी का जन्म आज से 91 वर्ष पूर्व 28 दिसंबर 1933 मवई ज़िला बुलन्दशहर उत्तर प्रदेश हुआ था यह दुनिया का सबसे बड़ा सत्य है कि जीवन अस्थाई है मृत्यु एक सच्चाई है जिसका सामना सबको करना है इस जग में व्यक्ति को उसके कर्मों के कारण ही याद किया जाता है इसलिए मनुष्य को स्वार्थ से उठकर जन-कल्याण की भावना के साथ अच्छे कर्म करते रहने चाहिए आज शर्मा जी शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके आदर्श और व्यक्तित्व की स्मृतियां और उनके सादगी पूर्ण और उच्च कोटि के विचार हमारे बीच जीवित रहेंगे और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे। न्यूज़ वार्ता बातचीत के दौरान चचेरे भाई श्री राजीव लोचन शर्मा ने कहा श्रेष्ठ व्यक्तित्व साहस तथा असाधारण प्रतिभा के धनि थे भाई साहब अपनी नौकरी में उन्हें ईमानदारी का खामियाजा भुगतना पड़ता था उनका ट्रांसफर बहुत जल्द हो जाया करता था फिर भी इन्हों ने ईमानदारी नैतिक मूल्यों का साथ नहीं छोड़ा श्री ईश्वर कुमार शर्मा जी की बहन श्रीमती मिथिलेश शर्मा ने कहा भाई साहब मैकेनिकल इंजीनियर थे और डी जी इस एंड डी में कार्यरत ईमानदारी और कर्त्तव्यपरायणता कि मिशाल थे अनुकरणीय जीवन और सेवाओं को श्रद्धांजलि देने के लिए हम आज यहाँ एकत्र हुए हैं इनका सम्पूर्ण जीवन ईमानदारी और सत्य निष्ठा की अलौकिक मिशाल है जूडिशियल कॉउन्सिल के चेयरमैन श्री राजीव अग्निहोत्री नें कहा आज भारत को ऐसे बहुत से व्यक्तियों की आवश्यकता है जो देश को सुधारने के लिए अपना जीवन समर्पित करने के इच्छुक हों मैं, देश वासियों से आग्रह करता हूं कि वे भारत के इस महान सपूत के पदचिह्नों का अनुकरण करें भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ें और ईमानदारी की मिशाल बने कलयुग में सतयुगी अवतार थे शर्मा जी ज्येष्ठ पुत्री डॉक्टर ज्योत्स्ना शर्मा नें कहा पिता जी के जीवन से यह आदर्श प्रस्तुत होता है कि एक महान आत्मा सदा विनम्र होती है ऐसी शक्तिशाली आत्मा ही अन्य लोगों को आंतरिक रूप से सशक्त बना सकती है और ईमानदारी से जीवन जीने का मार्ग दिखा सकती है चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी विश्वास और साहस के साथ अपने जीवन को जिया जा सकता है। सभा में शामिल होने वालों में भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों सहित भारी संख्या में नातेड्डरिश्तेदार मौजूद रहे श्री त्रिलोकचंद शर्मा अर्चना शर्मा ब्रिज मोहन भारद्वाज मिट्ठू भारद्वाज राधे मोहन भारद्वाज अनुपमा भारद्वाज अनुपमा शर्मा किरण शर्मा आशीष शर्मा किरण गौतम,पिंकी प्राची,राजू भारद्वाज, शिखा भारद्वाज आशू भारद्वाज श्याम लता शर्मा नीलेश शर्मा , चेतन शर्मा उषा शर्मा ,विनीत शर्मा , विवेक शर्मा , अंजू अग्निहोत्री वत्सला अग्निहोत्री कपिल कौशिक कल्पना शर्मा संजीव कुमार शर्मा, अशोक दीक्षित आदि लोगों ने अपनी श्रद्धांजलि दी कार्यक्रम के अंत में सुपुत्र एयर वाइस मार्शल अलोक शर्मा वी.एम ,वी. एस. एम. (सेवा निवृत्त) कि रस्म पगड़ी हुई।

तहसीलदार के कहने पर नहर में फेंक दिए हजारों सुतली बम, कर्मचारी गाड़ी छोड़कर भागे

मध्यप्रदेश के हरदा जिले के बैरागढ़ क्षेत्र में हुए अवैध पटाखा फैक्टरी में भीषण ब्लास्ट के बाद से घटना से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। ऐसे ही एक वीडियो में एक कचरा वाहन सुतली बम भरकर नहर में फेंकते हुए दिखाई दे रहा है। यह नहर सिराली नगर पंचायत क्षेत्र की बताई जा रही है। इस विस्फोटक सामग्री को स्थानीय तहसीलदार के कहने पर दो कर्मचारियों के द्वारा यहां तक फेंकना के लिए लाया जाना बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार वायरल वीडियो में जो शख्स इस पूरी घटना को बता रहा है उसका नाम सोनू उपाध्याय है, जो सिराली के अंबासेल गांव का रहने वाला है। अब देखना यह होगा कि इस वीडियो के सामने आने के बाद कोई कार्रवाई होती है या फिर इसे भी दबा दिया जाएगा। वायरल वीडियो में रात के समय पानी की नहर के समीप भारी मात्रा में सुतली बम पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं, सोनू उपाध्याय इसका वीडियो बनाते हुए दिखाई दे रहा है। इस दौरान सोनू ने नहर में भारी मात्रा में सुतली बम फेंकने वाले दो कर्मचारियों को भी पकड़ा, लेकिन मौका मिलते ही वह भाग गए। इस दौरान वे जिस कचरा वाहन से विस्फोटक सामग्री लेकर आए थे उसे वहीं छोड़ गए। हालांकि, हम इस वायरल वीडियो या इससे जुड़े तथ्यों की पुष्टि नहीं कर रहे हैं।

तहसीलदार के कहने पर फेंकी सामग्री-वायरल वीडियो में दिख रहा शख्स सोनू बता रहा है कि जब विस्फोटक सामग्री लाने वाले व्यक्तियों से पूछताछ की गई तो उन्होंने कहा कि तहसीलदार साहब ने इन्हें फेंकने के लिए कहा था। मैंने तहसीलदार को फोन लगाया तो उन्होंने कहा- हां मैंने उन्हें भेजा है, लेकिन नहर में फेंकने के लिए नहीं कहा था। वीडियो बना रहा व्यक्ति यह भी बता रहा है कि करीब 8-10 क्विंटल बम बारूद नहर में फेंका गया है। कचरा गाड़ी से सुतली बम फेंकने आए दोनों कर्मचारी गाड़ी छोड़कर भाग गए।

भाजपा का गांव चलो अभियान, गुना के आवन गांव पहुंचे प्रदेशाध्यक्ष बीडी शर्मा, कार्यकर्ताओं के साथ बैठक

मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीडी शर्मा गुरुवार देर शाम गुना जिले की राघौगढ़ विधानसभा के आवन गांव पहुंचे। उन्होंने गांव चलो अभियान की तैयारी का जायजा लिया और गांव में ही रात्रि विश्राम किया। बीडी शर्मा ने आवन के बूथ क्रमांक 97 से संबंधित कार्यकर्ताओं की बैठक भी ली। इस बैठक की अध्यक्षता बूथ क्रमांक 97 के अध्यक्ष हीरालाल लोधा ने की। बैठक में बीडी शर्मा ने लोकसभा चुनाव को लेकर 11 सूत्रीय कार्यक्रम पर राघौगढ़ विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। शुरुआती चर्चा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कार्यकर्ताओं को मठ मंदिरों के पुजारी का सम्मान, मेरा बूथ सबसे मजबूत, बूथ जीता चुनाव जीता और 51न बूथ जिताने का मंत्र कार्यकर्ताओं को दिया है। बैठक के बाद बीडी शर्मा ने सदस्यता अभियान और पार्टी के अन्य कार्यक्रमों पर चर्चा की। बता दें कि गांव चलो अभियान के तहत गुना जिले में गतिविधियों के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आवन को इसलिए चुना क्योंकि यह क्षेत्र राघौगढ़ विधानसभा के अंतर्गत आता है। राघौगढ़ से इस समय पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह विधायक हैं। भाजपा यहां अपनी पकड़ और मजबूत करना चाहती है।

कन्या महाविद्यालय में हुआ वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन

विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल हुई छात्राएं

शाजापुर, किला परिसर स्थित शासकीय कन्या महाविद्यालय में गुरूवार को वार्षिक स्नेह सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। जहां मुख्य अतिथि के रूप में जनभागीदारी समिति सदस्य सूर्यकांता शर्मा, चेतन मालवीय एवं गरिमा गर्ग ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. पी. मूंदड़ा ने की। स्नेह सम्मेलन के प्रथम दिवस तात्कालिक भाषण, मेहंदी, मोटे अनाज से बने पकवान, लोकनृत्य, पोस्टर निर्माण आदि प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिनमें छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान जेपी माथुर, अनिल नागर, दीपिका गुप्ता, आदित्य सक्सेना, नरेन्द्र भाटी, डॉ. ऋचा सक्सेना, नीतेश गुप्ता, शंकरलाल कुशवाह, विजयसिंह विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही। कार्यक्रम का

संचालन डॉ. संदीप कुमार सिह ने किया। आभार डॉ. रितेश महाड़िक ने माना।

स्वदेशी जागरण मंच ने किया जागरुक प्रधानमंत्री के विकसित भारत संकल्पना के अंतर्गत स्वदेशी जागरण मंच आज शासकीय कन्या महाविद्यालय पहुंचा. इस अवसर पर मंच के जिला विचार प्रमुख चेतन मालवीय ने विद्यार्थियों को रोजगार की उपलब्धता के बारे में विस्तार से उदाहरण सहित समझाया और विकसित भारत की अवधारणा से अवगत कराया। शाजापुर तहसील संयोजक आकाश शिंदे, सह संयोजक जितेन्द्र बोड़ाना एवं नगर संयोजक अनिल मालवीय ने विद्यार्थियों को इस मंच से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में रूचिपूर्वक हिस्सा लेकर अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया।

परियोजना कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करें - कलेक्टर

सतना, कलेक्टर अनुराग वर्मा ने सड़क और पुल निर्माण संबंधी विभागों को सतना जिले में चल रहे परियोजना कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिये हैं। गुरूवार को नेशनल हाइवे, स्टेट हाइवे, ब्रिज कॉर्पोरेशन, पीएमजीएसवाय, लोक निर्माण तथा एल एंड टी के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिये गये। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में सतना-मैहर खण्ड पर 328 करोड़ रुपये की लागत से 39.34 किलोमीटर लंबाई की टू-लेन पेव्ड शोल्डर सड़क का निर्माण किया जा रहा है। परियोजना में 2 फ्लाई ओव्हर भी बन रहे हैं। लगभग 32.64 किमी सड़क का निर्माण पूर्ण हो गया है, जो कि 81 प्रतिशत है। बताया गया कि शेष काम मार्च 2024 तक पूर्ण हो

जायेगा। सतना-मैहर परियोजना में शेष 4.45 किमी में सोहावल से बेला रोड का भी कार्य शामिल है। जिसमें 5 नग ईएचटी लाइन स्थानांतरित करने के बाद दिसंबर 2024 तक कार्य पूरा कर लिया जायेगा। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने चित्रकूट में गत माह संपन्न हुई राम वन पथ गमन न्यास की बैठक में मिली सहमति के अनुसार अधिकारियों को सतना से चित्रकूट के शेष पैच का प्रस्ताव भी शासन को भेजने के निर्देश दिये। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह ने बताया कि जिले में 715 करोड़ 24 लाख रूपये लागत के 602 किमी सड़क के कार्य स्वीकृत है। जिनमें से 314 किमी की सड़क अब तक बनाई जा चुकी है। चित्रकूट में पिंडरा के पास से शबरी फाल के लिए 3 किमी सड़क बनाई गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क के महाप्रबंधक ने बताया कि जिले में 13 सड़क और 8 ब्रिज के कार्य चल रहे हैं। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये। एमपी-एसआरडीसी के अधिकारियों ने बताया कि सतना से अमरपाटन मार्ग का निर्माण कार्य 2 माह में पूरा हो जायेगा। दूसरा प्रोजेक्ट रीवा, सतना, सीधी का जिगना, भरतपुर, भैसरहा घाट सड़क मार्ग नवंबर 2024 तक कम्पलीट होगा। कलेक्टर ने ब्रिज कॉर्पोरेशन के अधिकारियों को चित्रकूट के तुलसी ब्रिज का फाइनल फिनिसिंग कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये।

गुड शेफर्ड इंग्लिश मीडियम विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के लिए अध्ययन हेतु वैकल्पिक व्यवस्था

दमोह, जिला शिक्षा केंद्र दमोह के निर्देशानुसार अशासकीय विद्यालय गुड शेफर्ड इंग्लिश मीडियम स्कूल वार्ड क्रमांक 07 पथरिया, के प्रबंधन ?एवं संचालन समिति द्वारा विद्यालय संचालन न करने तथा बिना किसी पूर्व अनुमति के विद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्था स्थगित करने के कारण, गुड शेफर्ड इंग्लिश मीडियम विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के भविष्य तथा आगामी वार्षिक परीक्षा को दृष्टिगत रखते हुए, विद्यार्थियों की तात्कालिक और अस्थाई शैक्षणिक व्यवस्था हेतु नगर की प्रमुख शासकीय विद्यालयों के संस्था प्रमुख प्रभारियो की शैक्षणिक व्यवस्था हेतु आयोजित बैठक की गई। जिसमें लिए गए निर्णय के उपरांत जिला शिक्षा केंद्र दमोह को प्रस्तुत प्रतिवेदन से प्राप्त निर्देशानुसार शासकीय विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों को दृष्टिगत रखते हुए वैकल्पिक शैक्षणिक व्यवस्था की गई है। जिसके अनुसार अभिभावक अपनी सुविधा अनुसार

बच्चों को नजदीकी विद्यालय/आंगनवाड़ी केंद्र में अध्ययन हेतु भेज सकते हैं। उक्त व्यवस्था पूर्ण रूप से तात्कालिक एवं अस्थाई व्यवस्था है तथा यह अभिभावक की जिम्मेदारी है, कि वह अपने बच्चों को नजदीकी विद्यालय में अध्ययन हेतु भेजेंगे तथा विद्यालय से बच्चों को प्रतिदिन लाने एवं ले जाने की स्वयं व्यवस्था करेंगे। पथरिया बीआरसी जे.के. जैन ने बताया कि जिला शिक्षा केंद्र दमोह के निर्देशानुसार अध्यनरत बच्चों की वैकल्पिक व्यवस्था हेतु, कक्षा 6 से 8 के समस्त छात्र-छात्राएं सी.एम. राइज मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल पथरिया एवं कक्षा 1 से 8 की छात्राओं के लिए रानी दुर्गावती कन्या माध्यमिक शाला पथरिया को निर्धारित किया गया है, तो वहीं अन्य वैकल्पिक व्यवस्था सी.एम. राइज नवीन प्राथमिक शाला पथरिया एवं एकीकृत सरदार पटेल इंग्लिश मीडियम स्कूल पथरिया, आंगनवाड़ी केंद्र वार्ड क्र 07 पथरिया/सी.एम. राइज नवीन प्राथमिक शाला पथरिया सहित अन्य नजदीकी आंगनवाड़ी केंद्र में भी की गई है।

पी.जी. कॉलेज में विधिक जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

धीरज कुमार सिटी चीफ दमोह - म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत प्रिंसिपल जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेणुका कंचन के निर्देशन एवं जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बुज पाण्डेय के मार्गदर्शन में शासकीय पी.जी. कॉलेज दमोह में मैत्रीपूर्ण विधिक सेवायें, वाणिज्यिक यौन शोषण, पॉक्सो एक्ट तथा एसिड अटैक एवं साईबर क्राईम विषय पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें तृतीय जिला न्यायाधीश महिमा कछवाहा, जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, कॉलेज स्टाफ, असिस्टेंट प्रोफेसर, अनिल यादव, डॉ. मीरा एम. महंत, डॉ. नेहा जैन एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। तृतीय जिला न्यायाधीश महिमा कछवाहा ने अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं को बताया कि तथ्य की भूल क्षम्य की जा सकती है, किन्तु विधि की भूल अक्षम्य है, इस कारण विधि का ज्ञान हर नागरिक को होना आवश्यक है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को वाणिज्यि यौन शोषण विषय पर जानकारी देते हुये बताया कि महिलाओं को शादी का लालच देकर बेंच दिया जाता है जिससे उसका यौन शोषण होता है इस सब स्थितियों से निपटने के लिये कुछ भी निर्णय सोच-समझकर लें, किसी पर आसानी से भरोसा न करें, सजग एवं सतर्क रहें और यदि कोई आपराधिक घटना घटित होती है तो अपराधी के विरूद्ध कार्यवाही अवश्य करें। जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को साईबर क्राईम विषय पर जानकारी देते हुये बताया कि आजकल मोबाईल एवं इंटरनेट का उपयोग सारे बच्चे करते हैं, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि का उपयोग सजग रहकर करें। अपनी व्यक्तिगत जानकारी किसी को न दें क्योंकि इससे आप साईबर क्राईम की चपेट में आप आ सकतें हैं। इसके साथ ही उन्होंने लीगल एण्ड डिफेंस काउंसिल सिस्टम, समाधान आपके द्वार योजना एवं एसिड अटैक विषय पर विस्तृत जानकारी दी। असिस्टेंट प्रोफेसर अनिल यादव द्वारा मंच संचालन एवं डॉ. मीरा एम. महंत द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

नीति आयोग आई.टी.सी. मिशन सुनहरा कल के सहयोग से प्राकृतिक खेती को लेकर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

दमोह, मेहता ऑर्गेनिक ग्रीन फार्म सिंगपुर दमोह में नीति आयोग आई.टी.सी. मिशन सुनहरा कल व सहयोगी संस्था एन.सी.एच.एस.ई. द्वारा प्राकृतिक खेती को लेकर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ. बी.एल. साहू एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी गुरुचरण पटेल द्वारा दमोह जिले के 4 एफ.एफ.एस. विलेज किसानो को प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। साथ ही सभी किसान भाईयों को मेहता ऑर्गेनिक ग्रीन फार्म दमोह से एडवोकेट पूनम मेहता एवं श्रीराम कुरेरिया के द्वारा जो अपने फार्म पर लंबे समय से प्राकृतिक खेती कर रहे है, उन्होंने अपने अनुभव साझा कर प्राकृतिक खेती के लिए उपयोगी चीजे जैसे बीजामृत, जीवामृत, धनजीवामृत, वर्मी कंपोस्ट आदि के बारे में विस्तार से सभी किसानो को जानकारी दी व फार्म पर ही जीवामृत बना कर बताया एवं इसके उपयोग की जानकारी बताई गई। कार्यक्रम में तकनीकी सहायक शिवम पाठक, प्रदीप रेकवार एवं नीति आयोग आई.टी.सी. मिशन सुनहरा कल के दीपक घुरे एवं आशीष पाटीदार सहित किसानों की मौजूदगी रही।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग ने तेंदूखेड़ा नगर की किराना दुकानों का किया औचक निरीक्षण

दमोह, कलेक्टर मयंक अग्रवाल द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत डी.ओ. खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने निरीक्षण कार्यवाही करते हुए तेंदूखेड़ा नगर के वार्ड नं 10 स्थित सन्मत किराना स्टोर का निरीक्षण करके सनसाइन ब्रांड बेकिंग पाउडर एवं विद्या नगर स्थित महावीर ट्रेडिंग कंपनी पर निरीक्षण कार्यवाही करते हुए हल्दीराम रसगुल्ला के नमूनें जांच हेतु लिए। जिन्हें जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान परिसर में फुड लाइसेंस की प्रति लगी हुई पाई गई। फूड सेफ्टी डिस्प्ले बोर्ड लगवाने के निर्देश दुकान संचालकों को मौके पर दिए गए। निरीक्षण के दौरान परिसर में किराना दुकान संचालक के पास पेस्ट कंट्रोल प्रबंधन प्रमाण पत्र पाए गए हैं। कार्यरत कर्मचारी का मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र बनवाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

महिला विशेष रोजगार मेला एवं कैरियर काउंसलिंग का हुआ आयोजन

बड़वानी, आकांक्षी जिला बडवानी में कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग के निर्देशन में दो दिवसीय मेगा कौशल रोजगार एवं विशेष महिला रोजगार मेले का शुभारंभ 08 फरवरी को किया गया। शासकीय शहीद भीमा नायक महाविद्यालय परिसर बड़वानी में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री बलवंत पटेल के कर कमलों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बलवंत पटेल ने कार्यक्रम में उपस्थित समुदाय को संबोधित करते हुए बताया कि इस तरह के आयोजन से मात्र शक्ति एवं युवाओं को कौशल आधारित रोजगार-स्वरोजगार एवं प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त होगें। जिससे ज्यादा से ज्यादा युवक-युवतियों को अपनी अजिविका सचांलित करने में मदद मिलेगी। उनके अनुसार विकसित भारत निर्माण में महिलाऐं अपना रोजगार स्थापित कर अन्य महिलाओं को भी रोजगार प्रदान करने योग्य बनें। शासकीय आईटीआई बडवानी के नोडल प्राचार्य श्री कैलाश पटेल ने कार्यक्रम के बारे मे बताया कि बडवानी जिला अति पिछडा एवं आकांक्षी जिला होने के कारण उक्त मेले का आयोजन यहा के बेरोजगार युवक-युवतियों को कौशल आधारित रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु किया जा रहाहैं, मेले में बडवानी जिले के शासकीय विभाग जिनके द्वारा कौशल प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार मूलक

योजनाओं की जानकारी प्रदान करेंगे एवं निजी क्षेत्रों की विभिन्न राज्यों की 12 कम्पनीयों के प्रतिनिधि इस मेले में विभिन्न पदों पर चयन कर नियुक्ति प्रदान करेंगें। कार्यक्रम में उद्योग विभाग की महाप्रबंधक सुश्री. नेहा चौहान ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उद्यमिता विकास केन्द्र सेडमैप के जिला समन्वयक श्री अरविंद चौहान द्वारा व्यापार, व्यवसाय एवं उद्योग स्थापना में कौशल आधारित प्रशिक्षणों के महत्व एवं सेडमैप द्वारा संचालित कार्यक्रमों की जानकारिया प्रदान की गई। कार्यक्रम में महिला उद्यमी खुशी अग्रवाल ने भी महिलाओं को रोजगार-स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया एवं अपने अनुभव व्यक्त किये। डॉ. के.एस. बघेल ने शिक्षा आधारित रोजगार के बारे में जानकारी प्रदान की गई। आजीविका मिशन की जिला प्रबंधक अनुराधा पाटीदार ने हॉटल व्यवसाय से संबंधित प्रशिक्षण केन्द्र एवं रोजगार के अवसरों के संबंध में बताया। कन्या महाविद्यालय बडवानी कैरियर सेल प्रभारी डॉ. कविता भदौरिया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में बडवानी जिले के शासकीय आईटीआई के समस्त प्राचार्य एवं स्टाप उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन कैरियर सेल प्रभारी डॉ. मधुसुदन चौबे द्वारा स्वागत की परंपरा के अंतर्गत अतिथियों का स्वागत भगवत गीता प्रदान कर करवाया गया एवं सहयोग कैरियर सेल के सदस्योंनेकिया। कार्यक्रम में लगभग 300 से अधिक महिलाओं ने पंजीयनकरवा कर भाग लिया। कार्यक्रम का आभार जिला अधिकारी श्री टी.एस. डुडवे ने किया गया। मेगा रोजगार मेला 09.02.2024 को प्रात: 10.30 से शाम 05 तक आयोजित किया जावेगा। अधिक से अधिक महिला एवं पुरूष पंजीयन करवाकर अवसर का लाभ उठाये।

बड़वानी जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन दिखा उत्साह और जागरूकता

बड़वानी, रक्तदान कर हम जहां एक ओर किसी की जान बचाते हैं वहीं दूसरी ओर इससे आत्म संतुष्टि मिलती है। कई लोग रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों के कारण रक्तदान करने से कतराते हैं जबकि इससे कोई हानि नहीं होती, बल्कि कई प्रकार लाभ होते हैं। अत: हम सभी को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए, रक्तदान कर के देखिए अच्छा लगता है। उक्त बातें जिला चिकित्सालय से पधारे पैथोलॉजिस्ट डॉ अपूर्वा शाह द्वारा शासकीय आदर्श महाविद्यालय बड़वानी में रक्तदान शिविर में कही ।

प्राचार्य डॉ. बलराम बघेल ने अपने पुराने अनुभव सुनाए एवं वाहन दुर्घटनाओं के समय तात्कालिक रक्त की कमी के कारण होने वाले समस्याओ के बारे में जानकारी देकर रक्तदान के लिए जागरूक किया एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के के द्वारा आयोजित निशुल्क रक्त परीक्षण एवं रक्तदान में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दिनेश पाटीदार के मार्गदर्शन में, जिला चिकित्सालय बड़वानी से पैथोलॉजिस्ट डॉ. अपूर्वा शाह, श्री ललित लाड़ एवं उनकी टीम के सौजन्य से रक्तदान एवं निशुल्क रक्त समूह परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही श्री समाधान डायग्नोस्टिक सेंटर बड़वानी से पैथोलॉजिस्ट द्वारा विद्यार्थियों का निशुल्क रक्त समूह परीक्षण किया गया । श्री ललित लाड़ ने विद्यार्थियों को व्याख्यान में रक्तदान से होने वाले विभिन्न लाभ के बारे में बताया उन्होंने कहा रक्तदान से हम कई तरह की गंभीर बीमारियो से सुरक्षित रह सकते है उन्होंने विद्यार्थियों को रक्तदान के लिए जागरूक किया एवं रक्तदान द्वारा किसी की जिंदगी बचाने का महत्व समझाया । शिविर में प्राचार्य डॉ. बलराम बघेल, डॉ. दिनेश पाटीदार, डॉ धर्मेंद्र सिंह जाटव, एसबीएन पीजी कॉलेज से प्रो गौरव गुप्ता, आकांक्षा भावसार एवं विद्यार्थियों सहित 35 यूनिट रक्त दान (11 छात्राओं , 28 छात्र , 6 स्टाफ) व समाधान डायग्नोस्टिक सेंटर बड़वानी के द्वारा 52 विद्यार्थियों का निशुल्क रक्त परीक्षण किया गया ।

गोकुलपुरी मेट्रो स्टेशन हादसा- बेटी की डोली सजने से पहले उठी पिता की अर्थी, घर में अब सिर्फ मातम

नई दिल्ली- उत्तर-पूर्वी दिल्ली में गोकुलपुरी मेट्रो स्टेशन की दीवार का एक हिस्सा ढह जाने से 53 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गयी और चार लोग घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतक की पहचान करावल नगर में शहीद भगत सिंह कॉलोनी के निवासी विनोद कुमार पांडे के रूप में हुई, जो चावल आपूर्ति एजेंट थे। विनोद की बेटी की हादसे से दो दिन पहले ही सगाई हुई थी और परिवार में खुशियां ही खुशियां थीं, अब उस घर में सिर्फ मातम है। जिस घर से बेटी की डोली उठने से पहले ही पिता की अर्थी उठ गई। पांडे अपने स्कूटर पर एक दुकानदार को चावल देने जा रहे थे, तभी दीवार के ढहे मलबे की चपेट में आ गए। पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुई इस घटना के बाद दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सभी स्टेशन पर सुरक्षा जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, घायल लोग खतरे से बाहर हैं। घायलों को गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दीवार ढहने से चार मोटरसाइकिलें और स्कूटर क्षतिग्रस्त हो गए। DMRC ने एक बयान में कहा कि पिंक लाइन पर मौजपुर और शिव विहार के बीच अप और डाउन दोनों लाइन पर पूर्वाह्न 11-12 बजे से 11-23 बजे तक ट्रेन की आवाजाही रोक दी गई। एक यात्री द्वारा मोबाइल फोन से रिकॉर्ड किए गए और सोशल मीडिया पर साझा वीडियो में दो घायल ढहे हुए हिस्से के मलबे में फंसे हुए दिखे। तीन क्षतिग्रस्त दोपहिया वाहन भी दिखे। घटना में

जान गंवाने वाले पांडे दो दिन पहले अपनी बेटी की सगाई के बाद उत्तर प्रदेश में अपने गृहनगर से दिल्ली लौटे थे। उनके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे -दो बेटियां और एक बेटा- हैं। पांडे मूल रूप से सुल्तानपुर के रहने वाले थे। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, घटना पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुई जब ऊंचे प्लेटफॉर्म के पूर्वी हिस्से की एक चारदीवारी और एक स्लैब का हिस्सा नीचे सड़क पर गिर गया। स्लैब का कुछ हिस्सा लटक गया था। डीएमआरसी की पिंक लाइन मजलिस पार्क और शिव विहार मेट्रो स्टेशन को जोड़ती है। एक प्रत्यक्षदर्शी आजाद अली ने बताया, ''करीब 11 बजे थे जब हमने अचानक एक जोरदार धमाके की आवाज सुनी। हम मौके पर पहुंचे...एक स्कूटर सवार मलबे के नीचे फंसा हुआ था। स्थानीय दुकानदार शहजाद खान ने कहा कि उन्होंने बचाव अभियान में पुलिस की मदद की। खान ने कहा, दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पूर्वी दिल्ली) जॉय टिर्की ने कहा कि गोकुलपुरी पुलिस थाने के मेट्रो स्टेशन के बगल में होने से थाना प्रभारी सहित अन्य कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। टिर्की ने कहा, ''घटना में चार लोग घायल हो गए। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की मदद से उन्हें मलबे से बाहर निकाला और जीटीबी अस्पताल पहुंचाया।%% यात्रियों द्वारा मोबाइल से बनाए गए वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं जिसमें पुलिसकर्मी सड़क से ढहे हुए हिस्से के मलबे को हटा रहे हैं और कुछ हिस्सा लटका हुआ दिख रहा है। दिल्ली अग्निशमन सेवा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना की सूचना पूर्वाह्न 11 बजकर 10 मिनट पर मिली, जिसके बाद विभाग के चार वाहनों को तुरंत तैनात किया गया। हादसा और भी विनाशकारी हो सकता था प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि यह एक बड़ी आपदा हो सकती थी, क्योंकि कई छात्र आमतौर पर स्कूल के बाद नाश्ते के लिए घटनास्थल के पास इकट्ठा होते थे। घटना के वक्त मेट्रो स्टेशन के पास मौजूद एक कैब ड्राइवर ने बताया, ''जहां दीवार ढही, वहां से एक सरकारी स्कूल मुश्किल से 50 मीटर की दूरी पर है। यह घटना दिन में 11 बजे के आसपास हुई। अगर यह दोपहर डेढ़ बजे के आसपास होती, तो यह और भी विनाशकारी हो सकती थी क्योंकि स्कूल बंद होने के बाद आमतौर पर कई छात्र चाय और नाश्ता करने के लिए वहां इकट्ठा होते थे। डीएमआरसी ने अपने सिविल विभाग के एक प्रबंधक और एक कनिष्ठ अभियंता को जांच होने तक निलंबित कर दिया और घटना की जांच के आदेश दिए। मृतक के परिवार को 25 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को पांच लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों के लिए एक लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की गई। दिल्ली सरकार ने दिल्ली मेट्रो को घटना की जांच के लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने का निर्देश दिया। पुलिस के एक बयान में कहा गया, ''मेट्रो ठेकेदार या बिल्डर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 304، (लापरवाही से मौत का कारण) और 337 (जल्दबाजी या लापरवाही भरे कृत्य से मानव जीवन या दूसरों की सुरक्षा को खतरे में डालना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले में जांच जारी है।

रतन टाटा का ड्रीम प्रोजेक्ट हुआ तैयार काफी अरसे से था जो लटका

नेशनल डेस्क- देश के सबसे पुराने कारोबारी घरानों में से एक टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा का ड्रीम प्रोजेक्ट अब पूरा होने की कगार पर पहुंच चुका है। 86 साल के रतन टाटा को जानवरों, विशेषकर कुत्तों के प्रति अटूट प्रेम के लिए भी जाना जाता है। व्यवसायी अक्सर कुत्तों की तस्वीरें पोस्ट करते हैं और प्यारे, चार पैर वाले दोस्तों के अधिकारों की वकालत भी करते हैं। टाटा के Pet Project की तहत मुंबई में पशुओं के लिए अस्पताल बनकर तैयार हो चुका है और जल्द ही उसे शुरू किया जाएगा। पशु प्रेमी हैं अरबपति आज ऐसा कोई नहीं है जो रतन टाटा को नहीं जानता होगा। जो लोग उन्हें जानते हैं, तो वे इस बात से भली भांति परिचित होंगे कि रतन टाटा एक बड़े पशु प्रेमी हैं। खासकर स्ट्रीट डॉग्स के साथ उनका लगाव किसी से छिपा नहीं है। सोशल मीडिया पर भी अरबपति उद्योगपति अकसर कुत्तों के साथ अपनी तस्वीरें को साझा करते रहते है और साथ ही उनकी सुरक्षा के लिए अपील करते हुए भी नजर आते है। रतन टाटा के ड्रीम प्रोजेक्ट पशु अस्पताल दक्षिण मुंबई के महालक्ष्मी क्षेत्र में बन कर तैयार हो चुका है। 5 मंजिला अस्पताल टाटा ग्रुप के इस अस्पताल में तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी और साथ ही पशुओं की गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य देखभाल भी की जाएगी। इस अस्पताल में दैश के फेमस पशु चिकित्सक होंगे साथ ही प्रशिक्षित नर्सों और तकनीशियनों

द्वारा स्पेशल ट्रीटमेंट पर फोकस किया जाएगा। ग्रेटर मुंबई नगर निगम (स्ष्टत्नरु) द्वारा आवंटित भूमि पर बनकर तैयार हुआ यह अपनी तरह का पहला अस्पताल है, जो 98,000 वर्ग फीट में फैला हुआ है। 5 मंजिला इस अस्पताल में 200 से अधिक बिस्तरों की क्षमता है। 24×7 मिलेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं रतन टाटा के इस अस्पताल में जानवरों के लिए 24 घंटे की सेवाएं होंगी। यह अस्पताल मार्च 2024 में शुरू होने जा रहा है। इस अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए टाटा ग्रुप की ओर से प्रतिष्ठित रॉयल वेटरनरी कॉलेज, लंदन के साथ साझेदारी की गई है। इस अस्पताल में 24×7 आपातकालीन और गंभीर देखभाल, ट्राइएज और ट्रीटमेंट सर्विसेज मिलेंगी। रतन टाटा बोले- हर पालतू जानवरी हमारा परिवार अपने इस ड्रीम प्रोजेक्ट के लॉन्च को लेकर टाटा ने कहा, पालतू जानवर हमारा परिवार हैं और उनका जीवन हर पालतू जानवर के माता-पिता के लिए मायने रखता है। जब मैंने चारों ओर देखा और भारत में पालतू जानवरों के लिए बुनियादी सुविधाओं की कमी को पाया, तो मुझे आश्चर्य हुआ कि इतने बड़े देश में पालतू जानवरों की एक बड़ी आबादी के साथ हमारे पास ऐसी सुविधा क्यों नहीं है, जो उनका जीवन बचा सकें और पालतू जानवरों के जीवन को बेहतर बना सकें। उन्होंने आगे कहा, इस एनिमल हॉस्पिटल का लक्ष्य हर पालतू जानवर की देखभाल, प्यार और मानवीय दृष्टिकोण से इलाज करने के लिए विशेष सुविधाओं वाली एक ऐसी सुविधा बनना है। बता दें कि इससे पहले भी टाटा ट्रस्ट की ओर से भारत का पहला कैंसर देखभाल अस्पताल टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल , एनसीपीए , टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस-बेंगलुरु का निर्माण कर चुके हैं।

नवाज को झटका!, शुरुआती रूझानों में इमरान खान समर्थक आगे

नेशनल डेस्क: बढ़ते आतंकवादी हमलों, आर्थिक संकट और गहरे ध्रुवीकृत राजनीतिक माहौल से घबराए पाकिस्तान में आम चुनाव के लिए वोटिंग खत्म हो गई है और अब वोटों की गिनती चल रही है। मतदान गुरुवार सुबह 8-30 बजे शुरू हुआ और शाम 5-30 बजे तक चला। हालांकि आधिकारिक नतीजे शुक्रवार यानी 9 फरवरी तक ही आने की उम्मीद है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में कुल 336 सीटें हैं। इनमें से 265 सीटों पर चुनाव हो रहा है। बाकी सीटें रिजर्व हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब तक शुरुआती रुझानों में 120 सीटों पर इमरान समर्थक निर्दलीय उम्मीदवार आगे हैं। चुनाव आयोग नतीजे जारी करने में देर कर रहा है। वोटिंग के दौरान मुल्क में कई घंटे तक मोबाइल और इंटरनेट सर्विस करीब-करीब बंद रहीं। इस बीच, न्यूज चैनलों ने अपनी वेबसाइट्स से इलेक्शन रिजल्ट टैली हटा ली हैं। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने पहला रिजल्ट जारी किया नतीजे जारी करने में देरी के आरोपों के बीच पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने अपना पहला रिजल्ट जारी किया है। आयोग ने पेशावल और स्वात की प्रांतीय सीटों PS-76 और PS-6 के नतीजे बताए हैं। इनमें PS -76 से इमरान के समर्थन वाले निर्दलीय उम्मीदवार समिउल्लाह खान आगे चल रहे हैं। PTI समर्थित उम्मीदवार शांदाना गुलजार पेशावर के NA-30 से जीतीं पाकिस्तान चुनाव आयोग ने पेशावर के NA-30 के अनौपचारिक रिजल्ट की घोषणा कर दी है। इसमें इमरान के समर्थन वाली उम्मीदवार शांदाना गुलजार को 78,971 वोटों के साथ विजेता घोषित किया गया है। पेशावर की PS-77 सीट से PTI समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार शेर अली अफरीदी जीत गए हैं। स्वात के PS-4 से PTI समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार अली शाह जीते हैं। नेशनल असेंबली में PTI समर्थित एक और उम्मीदवार की जीत शांदाना गुलजार के बाद PTI समर्थित उम्मीदवार अली खान जादून ने NA17 एबटाबाद सीट पर 97,177 वोटों के साथ जीत हासिल की है। इस तरह नेशनल असेंबली में अब तक इमरान के समर्थन वाले दो उम्मीदवार जीत गए हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने सिंध में तीन और सीटें जीतीं पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता महबूब अली खान बिजरानी ने PS-6 काशमोर III में जीत हासिल की है, जबकि अली नवाज खान महार ने PS-21 से जीत हासिल की है। पाकिस्तान चुनाव आयोग के अनुसार, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टीके एक अन्य उम्मीदवार सोहेल अनवर ने PS-12 लरकाना से जीत हासिल की। वहीं पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें रुझानों में इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि निर्दलीय उम्मीदवार 125 सीटों पर आगे चल रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि ये सभी उम्मीदवार पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के हो सकते हैं। शुक्रवार को सुबह 10 बजे तक मतगणना पूरी होने और सभी नतीजे घोषित होने की उम्मीद है।

फिलीपींस में लैंडस्लाइड से 2 बस सहित 38 लोग दबे, 7 लोगों की मौत

मनीला: दक्षिणी फिलीपींस प्रांत में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में दो बस सहित उसमें सवार 38 लोगों के दबने से सात लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी डॉन समाचारपत्र ने आपदा अधिकारियों के हवाले से दी। खनन ऑपरेटर एपेक्स माइनिंग ने एक आज एक बयान में कहा कि भूस्खलन मंगलवार रात दावाओ डी ओरो प्रांत के मैको शहर में एक सोने की खदान के बाहर हुआ, जहां बसें में कर्मचारी थे। यह अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि बसों में कितने यात्री सवार थे। मैको शहर की आपदा एजेंसी ने बुधवार को एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि घायलों में से एक की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। आपदा एजेंसी ने मैको शहर के पांच गांवों को भी खाली कराने के आदेश जारी किया है। एजेंसी के अनुसार 38 लोगों में से सात लोग मारे गए

और 31 घायल हो गए। प्रांतीय आपदा अधिकारी एडवर्ड मैकापिली ने कहा कि मिंडानाओ द्वीप के दावाओ डी ओरो प्रांत के मसारा में मंगलवार रात भूस्खलन हुआ, जिसमें कई मकान नष्ट हो गए और खदान श्रमिकों का इंतजार कर रही तीन बसें और एक जीपनी चपेट में आ गई। अधिकारियों ने कहा कि बचावकर्मी कीचड़ में खुदाई कर रहे हैं और उन्हें पता चला है कि 48 लोग लापता हैं जिनमें कम से कम 20 लोग वाहनों के अंदर फंसे हुए हैं। मैकापिली ने कहा कि भूस्खलन के समय वाहनों में कम से कम 38 लोग सवार थे लेकिन कीचड़ की चपेट में आने से पहले उनमें से आठ खिड़कियों से सुरक्षित निकलने में सफल रहे। फर्म ने कहा कि भूस्खलन के मलबे में फंसने से पहले चौथी बस रवाना हो गई थी जिसके कारण 62 कर्मचारी सुरक्षित हैं।

खून से लथपथ हालत में मिली तीन साल की बच्ची, आरोपी भागने में नाकाम, गिरफ्तार

नेशनल डेस्क- पुलिस ने गौतम बुद्ध नगर जिले के रबूपुरा थाना क्षेत्र में तीन साल की बच्ची से कथित बलात्कार के मामले के आरोपी को बृहस्पतिवार देर रात गिरफ्तार कर लिया है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) अशोक कुमार सिंह ने बताया कि कस्बा रबूपुरा निवासी राहुल गौतम ने बच्ची के साथ बृहस्पतिवार शाम को एक खेत में कथित रूप से बलात्कार किया। उन्होंने बताया कि बच्ची लहूलुहान अवस्था में खेत में रोती हुई मिली थी। सिंह ने बताया कि पुलिस ने घटना की सूचना मिलने पर मुकदमा दर्ज किया और मामले की जांच शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बृहस्पतिवार देर रात मिली एक सूचना के आधार पर दबिश देकर आरोपी राहुल गौतम को गिरफ्तार कर लिया। सिंह ने बताया कि पुलिस से पूछताछ के दौरान आरोपी ने बच्ची से बलात्कार करने की बात स्वीकार की है। उन्होंने बताया कि जांच के तहत

आरोपी को उस जगह ले जाया गया जहां उसने अपराध के दौरान पहने कपड़े छुपाए थे लेकिन तभी वह एक पुलिसकर्मी की पिस्तौल छीनकर भागने लगा। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जब उसे पकड़ने की कोशिश की तो उसने पुलिस पर गोली चला दी। सिंह ने बताया कि जवाबी कार्रवाई में पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी है। अपर उपायुक्त ने बताया कि आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस मामले की त्वरित अदालत में सुनवाई का निवेदन किया जाएगा।

जेलों में महिला कैदी हो रही हैं गर्भवती, 196 बच्चे पैदा हुए: हाई कोर्ट को मिली बड़ी जानकारी

कोलकाता- पश्चिम बंगाल राज्य की जेल ों में भीड़भाड़ से संबंधित मामले में कलकत्ता हाई कोर्च द्वारा नियुक्त एक न्याय मित्र ने गुरुवार को अदालत के समक्ष दावा किया कि राज्य की विभिन्न जेलों में बंद महिला कैदी गर्भवती हो रही हैं और अब तक 196 बच्चे पैदा हुए हैं। कहा जाता है कि इनका जन्म इन्हीं जेलों में हुआ है। वकील तापस कुमार भांजा, जिन्हें जेलों में भीड़भाड़ पर 2018 के स्वत- संज्ञान प्रस्ताव में उच्च न्यायालय द्वारा न्याय मित्र नियुक्त किया गया था, ने मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम और न्यायमूर्ति सुप्रतिम भट्टाचार्य की पीठ को यह बताया। भांजा ने डिवीजन बेंच के समक्ष जेलों के अंदर गर्भवती होने वाली महिलाओं से संबंधित मुद्दों और सुझावों सहित एक नोट भी प्रस्तुत किया, जिसने भांजा की दलीलों पर ध्यान दिया और कहा कि एमिकस क्यूरी ने कुछ गंभीर मुद्दों की ओर इशारा किया है, और मामले को स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। भांजा ने महिला कैदियों के बाड़ों में पुरुष

कर्मचारियों के प्रवेश पर रोक लगाने का सुझाव दिया भांजा ने सुधार गृहों में महिलाओं के गर्भवती होने की समस्या के समाधान के लिए सुधार गृहों के पुरुष कर्मचारियों के महिला कैदियों के बाड़ों में प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया। भांजा ने पीठ को बताया कि उनके द्वारा उच्च न्यायालय को सौंपे गए नोट की एक प्रति पश्चिम बंगाल के महाधिवक्ता के कार्यालय में भेज दी गई है।

हाई कोर्ट ने क्या कहा? रिपोर्ट के अनुसार, हाई कोर्ट ने निर्देश दिया, इन सभी मामलों पर प्रभावी निर्णय लेने के लिए, हम इसे उचित मानते हैं कि मामले को आपराधिक रोस्टर निर्धारण वाली माननीय डिवीजन बेंच के समक्ष रखा जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि इस संबंध में उचित आदेश के लिए मामला उनके समक्ष रखा जाए। 2018 में उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक खंडपीठ ने पश्चिम बंगाल राज्य में सुधार गृहों में भीड़भाड़ पर एक स्वत- संज्ञान मामला शुरू किया था और इस मुद्दे पर पहले दायर किए गए सभी मामलों को इस स्वत- संज्ञान मामले के साथ टैग किया गया था।

मालदीव में भारत सैनिकों के स्थान पर असैनिक तकनीकी कर्मी करेगा तैनात

नई दिल्ली: भारत ने कहा है कि वह मालदीव में तीन विमानन मंचों का संचालन करने वाले अपने सैन्यकर्मियों के स्थान पर 'सक्षम भारतीय तकनीकी कर्मियों को नियुक्त करेगा। इसके साथ ही भारत ने साफ किया है कि वह द्वीपीय देश का एक महत्वपूर्ण विकास भागीदार बना हुआ है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, ''मैं कहना चाहूंगा कि मौजूदा कर्मियों की जगह सक्षम भारतीय तकनीकी कर्मियों को तैनात किया जाएगा। मालदीव में तैनात सैन्यकर्मियों के मुद्दे का समाधान करने के लिए उच्चस्तरीय कोर समूह की हुई दूसरी बैठक के बाद मालदीव के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत 10 मई तक दो चरणों में अपने सैन्यकर्मियों के स्थान पर दूसरे कर्मियों को तैनात करेगा। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने सोमवार को कहा था कि भारतीय सैन्य कर्मियों के पहले समूह को 10 मार्च से पहले वापस भेज दिया जाएगा और शेष कर्मियों को 10 मई से पहले वापस भेजा जाएगा। कोर समूह की दूसरी बैठक दो फरवरी को दिल्ली में हुई थी। पिछले साल दिसंबर में दुबई में आयोजित सीओपी28 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुइज्जू के बीच एक बैठक के बाद दोनों पक्षों ने कोर ग्रुप गठित करने का निर्णय लिया। वर्तमान में लगभग 80 भारतीय सैन्यकर्मी मालदीव में हैं

जो मुख्य रूप से दो हेलीकॉप्टर और एक विमान संचालित करने में सहयोग करते हैं। इन हेलीकॉप्टर और विमान से सैकड़ों चिकित्सा निकासी और मानवीय मिशन को अंजाम दिया गया है। नवंबर में मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव है। मुइज्जू को व्यापक रूप से चीन समर्थक नेता के रूप में देखा जाता है। राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि वह भारतीय सैन्यकर्मियों को अपने देश से बाहर निकालने के अपने चुनावी वादे को पूरा करेंगे। जायसवाल ने कहा कि भारत, मालदीव का एक प्रतिबद्ध विकास भागीदार बना हुआ है। मालदीव को भारत की विकास सहायता के तहत बजटीय आवंटन पर, जायसवाल ने कहा कि एक निश्चित राशि आवंटित की गई थी और इसे संशोधित किया जा सकता है। वित्त वर्ष 2023-24 में मालदीव के लिए बजटीय आवंटन 400 करोड़ रुपये था, लेकिन संशोधित अनुमान से पता चला कि परिव्यय 770.90 करोड़ रुपये हो गया, जो प्रारंभिक राशि से लगभग दोगुना है। b वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में मालदीव को विकास सहायता के रूप में 600 करोड़ रुपये की राशि की व्यवस्था की गई है। जायसवाल ने कहा कि आगे की प्रगति पर स्पष्टता होने पर नए आंकड़े को संशोधित किया जा सकता है।

प्रवीण तोगड़िया बोले- बाबर नहीं हमारा इतिहास भगवान श्रीराम से है

मेरठ- अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने बृहस्पतिवार को कहा कि ''हमारा इतिहास बाबर नहीं, हमारा इतिहास भगवान श्रीराम से है। उन्होंने यह टिप्पणी यहां विश्व हिंदू परिषद के एक स्थानीय नेता के आवास पर की। इस दौरान तोगड़िया ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''अयोध्या भगवान श्रीराम की नगरी है। राम मंदिर के लिए पुरुषों ने ही नहीं, बल्कि महिलाओं ने भी बलिदान दिया था। किसी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि जहां भी संप्रदाय विशेष के लोगों की संख्या अधिक हो जाती है, वहां पर वे अपना कानून लागू करने लगते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए जल्द जनसंख्या नियंत्रण कानून लाया जाएगा। तोगड़िया ने राम मंदिर के लिए बलिदान देने वाले कार सेवकों को श्रद्धांजलि दी। इससे पहले प्रवीण भाई तोगड़िया ने ज्ञानवापी मामले को लेकर भी बड़ा बयान दिया है। तोगड़िया ने कहा कि पहले उन्हें सपने में राम का धनुष नजर आता था, जो रामलला की मूर्ति के साथ अयोध्या में नजर आने लगा है। अब उन्हें सपने में डमरू, कृष्ण की बांसुरी दिखने लगी है। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ में शिव, मथुरा में कृष्ण के रूप में सपना सच होने वाला है। राम मंदिर पूरे देशवासियों के योगदान से बना दरअसल, तोगड़िया संभल जिले के एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। जहां उन्होंने राम मंदिर से जुड़े कारसेवकों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर पूरे देशवासियों के योगदान से बना है। 8 करोड़ हिंदुओं के पैसों से राम मंदिर का निर्माण हुआ है। ढांचे पर हमने भगवा झंडा लहरा दिया। जब ऐलान किया तो बाबर के ढांचे को खत्म कर दिया गया। उन्होंने कहा कि मंदिर क्यों बना क्योंकि पूरा देश एक साथ लड़ता था। प्रवीण तुगड़िया इधर हो गया ने सभी कार्यकर्ताओं से कहा कि वह लगातार हनुमान चालीसा करते रहें और हमारी सफलता आगे बढ़ती रहेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569